आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 20 अप्रैल 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 148

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

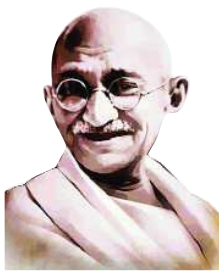

राष्ट्रपिता को नमन...

अविश्वास की आग और भारत की चुनौती

अक्षय की बात
अपनों के साथ

विश्व राजनीति के मंच पर एक बार फिर तनाव के बादल घने होते जा रहे हैं। खासकर ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता अविश्वास केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरे विश्व की शांति के लिए एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है। ऐसे में भारत जैसे उभरते वैश्विक शक्ति के लिए यह स्थिति एक बड़ी परीक्षा भी है और जिम्मेदारी भी।

भारत पर सीधा प्रभाव–अगर यह तनाव युद्ध में बदलता है, तो इसका सबसे पहला असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी हद तक मध्य पूर्व पर निर्भर है। ईरान के साथ भारत के पुराने ऊर्जा संबंध रहे हैं। युद्ध की स्थिति में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है, जिससे महंगाई बढ़ेगी और आम आदमी पर सीधा असर पड़ेगा।

दूसरा बड़ा असर भारतीय प्रवासियों पर होगा। खाड़ी देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं। किसी भी बड़े सैन्य संघर्ष की स्थिति में उनकी सुरक्षा, रोजगार और भारत वापसी एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

तीसरा पहलू है व्यापार और समुद्री मार्ग। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक मार्ग से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल परिवहन होता है। अगर यहां तनाव बढ़ता है, तो वैश्विक सप्लाई चेन बाधित होगी, जिसका असर भारत के व्यापार पर भी पड़ेगा।

भारत की कूटनीतिक भूमिका–भारत की विदेश नीति हमेशा संतुलन और संवाद पर आधारित रही है। एक तरफ अमेरिका भारत का रणनीतिक साझेदार है, तो दूसरी तरफ ईरान के साथ भी भारत के ऐतिहासिक और आर्थिक संबंध हैं। ऐसे में भारत के लिए यह जरूरी हो जाता है कि वह किसी एक पक्ष में झुकने की बजाय शांति और संवाद का सेतु बने।

भारत के पास यह अवसर है कि वह अपनी 'वैश्विक मध्यस्थ' की छवि को मजबूत करे। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाकर और दोनों पक्षों से संवाद बनाए रखकर भारत इस तनाव को कम करने में योगदान दे सकता है।

न्यूज ब्रीफ

- तेहरान में बिजली कटौती से कई इलाकों में दिक्कत
- बेंगलुरु में कांग्रेस विधायक और डीके शिवकुमार के करीबी एनए हैरिस के खिलाफ छापेमारी
- सीजफायर के बाद भी ऑपरेशन जारी, लेबनान में 20 सैन्य ठिकाने स्थापित करेगा इजरायल
- नोएडा प्रोटेस्ट के दौरान हिंसा में शामिल 2 और आरोपी गिरफ्तार
- प्रीत विहार में पार्किंग विवाद को लेकर 34 वर्षीय शख्स की गोली मारकर हत्या, आरोपी फरार
- आज दिल्ली हाई कोर्ट में फिर पेश होंगे अरविंद केजरीवाल
- पटना में महिला आरक्षण बिल को लेकर आज बीजेपी का विरोध प्रदर्शन
- बंगाल : दक्षिण 24 परगना में चुनाव प्रचार के दौरान बीजेपी वर्कर्स पर अटैक, 2 जख्मी
- असम : गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण बंद किए स्कूल-कॉलेज
- प्रशांत महासागर में टोंगा आइलैंड के पास भूकंप के तेज झटके, रिक्टर स्केल पर 6.1 रही तीव्रता

संगठन सृजन के बाद संगठन करेगा जिलाध्यक्षों की सर्जरी, होंगे बदलाव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश कांग्रेस में संगठन को लेकर अंदरूनी हलचल अब खुलकर सामने आ रही है। जिलाध्यक्षों के इस्तीफे, कमजोर परफॉर्मेंस और बढ़ती गुटबाजी ने प्रदेश नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिलचस्प यह है कि जहां इस्तीफों की चर्चा तेज है, वहीं कुछ नेता इन खबरों से किनारा भी कर रहे हैं। प्रदेशभर में 4 दिन तक चला कांग्रेस का संगठनात्मक अभियान बाहर से मजबूत दिखा, लेकिन जमीनी रिपोर्ट ने तस्वीर बदल दी। कई जिलों में कार्यकर्ताओं के बीच खींचतान और गुटबाजी साफ नजर आई। यानी मंच पर एकजुटता और मैदान में बिखराव- दोनों तस्वीरें साथ-साथ दिखीं।

कमजोर परफॉर्मेंस पर सख्ती, बदलाव के संकेत : प्रदेश नेतृत्व ने जिलाध्यक्षों की रिपोर्ट कार्ड की समीक्षा की है। इसमें कई जिलों का प्रदर्शन अपेक्षा से कमजोर पाया गया। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली से मंजूरी मिलते ही कमजोर परफॉर्मेंस वाले जिलाध्यक्षों पर कार्रवाई हो सकती है। यानी संगठन में बड़ा फेरबदल अब दूर नहीं।

इस्तीफों की चर्चा बनाम नेताओं के वर्जन : इस्तीफों को लेकर संगठन में अलग-अलग तस्वीर सामने आ रही है। ओंकार सिंह मरकाम (डिंडोरी) से जब इस्तीफे की पेशकश पर सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ तौर पर इससे इनकार कर दिया। उनका जवाब था— 'आपको किसने बताया?' वहीं मुकेश पटेल (आलीराजपुर) ने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए कहा कि वे विधानसभा क्षेत्र में पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे थे, इसलिए पद छोड़ना उचित समझा। इन बयानों से साफ है कि इस्तीफों के पीछे कारण भी अलग-अलग हैं और सियासी संदेश भी।

इन जिलाध्यक्षों पर एक्शन की चर्चा तेज

संगठन सर्जन के बाद जिन नामों पर कार्रवाई की चर्चा है, उनमें शामिल हैं :

रायसेन – देवेंद्र पटेल
हरदा – मोहन साई
धार – स्वतंत्र जोशी
आगर मालवा – विजयलक्ष्मी तंवर
उमरिया – इंजीनियर विजय कुमार
मऊगंज – हीरालाल कोले
रतलाम – शांतिलाल वर्मा
ग्वालियर ग्रामीण – प्रभुलाल जौहरे

कुछ जगह तय हटना, कुछ जगह खाली पद

सिंगरौली में कांग्रेस जिलाध्यक्ष का हटना लगभग तय माना जा रहा है। कुछ जिलों में पद पहले से ही खाली पड़े हैं। इससे संगठन की रफ्तार प्रभावित हो रही है और कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। इन नामों को लेकर प्रदेश संगठन में मंथन तेज हो गया है। कई जिलों से यह फीडबैक मिला है कि संगठन तय नियमों के बजाय गुटों के हिसाब से चल रहा है। यही वजह है कि जिलाध्यक्षों पर दबाव बढ़ रहा है और कुछ नेता खुद ही पद छोड़ने या दूरी बनाने का रास्ता चुन रहे हैं।

संगठन सृजन के बाद बड़ा ऑपरेशन तय

प्रदेश कांग्रेस में संगठन सर्जन के बाद बड़े स्तर पर बदलाव की तैयारी है। कमजोर प्रदर्शन, गुटबाजी और नेतृत्व पर सवाल— इन सबके बीच कई जिलाध्यक्षों की कुर्सी खतरे में है। अब नजर इस बात पर है कि प्रदेश नेतृत्व इस संकट को कैसे मैनेज करता है, क्योंकि यह सिर्फ बदलाव नहीं, बल्कि संगठन को फिर से खड़ा करने की असली परीक्षा है।

मेरिट के आधार पर भी हो सकता है नर्सिंग में प्रवेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● नर्सिंग की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। अब आपको कॉलेजों में एडमिशन के लिए लंबी लाइनों और एंट्रेंस एग्जाम से जूझना नहीं पड़ेगा। एमपी नर्सिंग एडमिशन न्यू रूल्स के तहत मध्यप्रदेश सरकार नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश की प्रक्रिया को बेहद आसान और पारदर्शी बनाने जा रही है।

मध्यप्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों में अब प्रवेश की नई व्यवस्था लागू की जा सकती है। पहले जहां जनरल नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट के जरिए प्रवेश लिया जाता था। अब उसे खत्म कर 12वीं के अंकों के आधार पर सीधा प्रवेश देने का प्लान बन रहा है। अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने नर्सिंग काउंसिल के कामकाज की समीक्षा की। इस दौरान अगले शैक्षणिक सत्र से इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनसी) के जैसे एक समान प्रवेश नियम लागू करने पर चर्चा की गई। अभी मध्यप्रदेश में तीन वर्षीय जीएनएम कोर्स में प्रवेश जीएनएसटी एग्जाम के जरिए होता है। इसे कर्मचारी चयन मंडल आयोजित करता है।

नर्सिंग कॉलेजों में स्टूडेंट्स की व्यवस्था सबसे अहम

मध्यप्रदेश नर्सिंग काउंसिल की अध्यक्ष डॉ. बीनू कुशवाहा के अनुसार, नर्सिंग कॉलेजों में अच्छी शिक्षा और पर्याप्त स्टूडेंट्स की व्यवस्था करना सबसे अहम है। इसके लिए इंडियन नर्सिंग काउंसिल के नियमों के मुताबिक प्रवेश प्रक्रिया में बदलाव की तैयारी की जा रही है।

अंकों के आधार पर होगा एडमिशन

अगर ये प्रस्ताव लागू होता है तो छात्रों को अलग से नर्सिंग प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होगी। एडमिशन सीधे 12वीं के अंकों के आधार पर होगा। इससे राज्य स्तर की प्रवेश परीक्षाओं की जरूरत खत्म हो जाएगी। कई राज्यों में तो अब नीट के अंकों के आधार पर ही नर्सिंग में प्रवेश दिया जा रहा है।

कृषि विभाग ने घटिया बीजों के लिए किसानों से वसूले तीन गुना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एक तरफ सरकार किसान कल्याण वर्ष मना रही है, दूसरी तरफ जिले का कृषि विभाग ही किसानों को लूटने में पीछे नहीं हट रहा है। किसानों के अनुसार, मूंगफली बीज जो निर्धारित रूप से 1600 में उपलब्ध होना चाहिए था, उसके 5600 रुपए तक वसूले गये। इतना ही नहीं, किसानों पर जबरन अन्य कृषि सामग्री भी थोपे जाने के आरोप सामने आए हैं, जिससे यह मामला सीधे तौर पर कमीशनखोरी से जुड़ा प्रतीत होता है।

किसान नेता बबलू जाधव द्वारा भोपाल में की गई शिकायत के बाद अब इस पूरे मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई है, जो अनियमितताओं की जांच कर रही है। हालांकि, विभाग द्वारा यह दावा किया गया कि इंदौर संभाग के कुछ जिलों में मूंगफली बीज किसानों को निःशुल्क वितरित किया गया, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। सांवेर के बाद महू तहसील में लगभग 250 से 300 किसानों को घटिया मूंगफली बीज दिया गया, जिसका खेतों में अपेक्षित उत्पादन तो दूर, अंकुरण तक ठीक से नहीं हुआ।

प्रदेश में बनेगा 'परशुराम लोक'

भव्यता देख दंग रह जाएंगे लोग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश के जनापाव कुटी में 'श्री परशुराम-श्री कृष्ण लोक' बनाने का ऐलान हुआ है। 17 करोड़ से अधिक की लागत से बनने वाला यह प्रोजेक्ट धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा और श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण बनेगा।

इंदौर जिले स्थित जनापाव कुटी में भगवान परशुराम प्रकटोत्सव के मौके पर एक ऐसा ऐलान हुआ, जिसने धार्मिक आस्था के साथ पर्यटन और विकास को भी नई दिशा देने का संकेत दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यहां 'श्री परशुराम-श्री कृष्ण लोक' के निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि यह स्थान आने वाले समय में देश ही नहीं, दुनिया भर के श्रद्धालुओं के लिए खास पहचान बनाएगा। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान परशुराम का प्रभाव सतयुग से लेकर त्रेतायुग और द्वापर तक देखने को मिलता है। उन्होंने बताया कि भगवान राम के जीवन में भी परशुराम का महत्वपूर्ण स्थान रहा और भगवान कृष्ण के जीवन में भी उनका योगदान कम नहीं है। सीएम के मुताबिक, भगवान कृष्ण ने कठिन समय में परशुराम के आशीर्वाद और सुदर्शन चक्र के जरिए असंभव को संभव किया। जनापाव कुटी को भगवान परशुराम की जन्मस्थली माना जाता है। यह स्थान धार्मिक दृष्टि से पहले ही महत्वपूर्ण है, लेकिन 'श्री परशुराम-श्री कृष्ण लोक' बनने के बाद इसकी पहचान और भी व्यापक होने की उम्मीद है।

17 करोड़ से ज्यादा की लागत से बनेगा भव्य लोक

सीएम ने बताया कि इस परियोजना पर 17 करोड़ 50 लाख रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। इसका उद्देश्य एक ऐसा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र विकसित करना है, जहां लोग भगवान परशुराम और कृष्णा के जीवन, दर्शन और लीलाओं को करीब से समझ सकें। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव के साथ 'पुण्य' की अनुभूति भी होगी।

बिगड़े ट्रैफिक को लेकर आज हाईकोर्ट में हाजिर होंगे जिले के अधिकारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कोर्ट द्वारा बार-बार शहर के ट्रैफिक को लेकर जारी किए गए आदेशों का पालन नहीं किए जाने के मामले में कल होने वाली सुनवाई के दौरान इंदौर कलेक्टर, निगमायुक्त और डीसीपी ट्रैफिक को हाईकोर्ट में हाजिर होकर जवाब देना है। इन पर गत 2 अप्रैल को हुई सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अभिभाषक अजय बागडिया द्वारा यह सवाल उठाया गया था कि ट्रैफिक सुधार को लेकर हाई कोर्ट द्वारा अनेक बार आदेश जारी किए, लेकिन अफसर उसका पालन ही नहीं करवाते हैं, इसलिए शहर में आए दिनों ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है। इस पर जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की डिवीजन बेंच ने कोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने पर नाराजगी जताई थी और कलेक्टर, निगमायुक्त और डीसीपी ट्रैफिक को अगली सुनवाई एक बार फिर कोर्ट में तलब किया था। यह सुनवाई कल होना है।

खरे नहीं उतरे शत-प्रतिशत रिजल्ट लाने वाले स्कूलों में सर्वसुविधा युक्त सांदीपनी स्कूल पिछड़े

सांदीपनी स्कूलों पर शोर, हकीकत में नतीजे कमजोर

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

मध्यप्रदेश में सांदीपनी स्कूलों को लेकर इन दिनों जिस तरह का हल्ला मचाया जा रहा है, वह जमीनी हकीकत से काफी अलग नजर आ रहा है। बेहतर शिक्षकों की उपलब्धता और निजी स्कूलों जैसी सुविधाओं का दावा करने वाले इन स्कूलों के परीक्षा परिणाम अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं।

इंदौर जिले के हालिया बोर्ड परीक्षा परिणामों पर नजर डालें तो स्थिति और भी चौंकाने वाली है। जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है और बुनियादी सुविधाएं भी पूरी नहीं हैं, वहां शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज किए गए हैं। इसके उलट सांदीपनी स्कूल, जिन्हें मॉडल स्कूल के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, वहां प्रदर्शन औसत ही रहा।

बारहवीं कक्षा की बात करें तो पूरे जिले में केवल एक ही स्कूल ऐसा रहा जहां 100 प्रतिशत परिणाम आया। वहीं हाई स्कूल (दसवीं) में केवल दो स्कूल ऐसे रहे, जो शत-प्रतिशत परिणाम हासिल कर पाया हो। यह आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि केवल संसाधन और ढांचा बेहतर होने से ही शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं होती।

इंदौर जिले के बोर्ड परिणामों ने इस दावे की पोल खोल दी है। जिन स्कूलों में शिक्षक पूरे नहीं हैं, जहां संसाधनों का अभाव है, वही स्कूल शत-प्रतिशत परिणाम देकर व्यवस्था को आईना दिखा रहे हैं। दूसरी ओर, सांदीपनी स्कूल—जिन्हें मॉडल और आदर्श के तौर पर पेश किया जा रहा है—वह औसत प्रदर्शन से आगे नहीं बढ़ पा रहे।

प्रिंसिपलों का अफसरशाही रवैया

लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। इंदौर जिले में सांदीपनी स्कूलों के प्रिंसिपलों का रवैया भी अब चर्चा का विषय बनता जा रहा है। आरोप है कि कई प्रिंसिपल खुद को जिला शिक्षा अधिकारी से कम नहीं समझते। हालात यह हैं कि जिले के अधिकारी और यहां तक कि जनप्रतिनिधियों को भी यह प्राचार्य खास महत्व नहीं देते।

सूत्रों के अनुसार इन स्कूलों में प्रिंसिपलों का अपने ही अधिनस्थों के साथ सामंजस्य नहीं बैठ पा रहा है। अपने अडिग रवैये के चलते ये अपने स्टाफ के साथ शैक्षणिक गतिविधियों को नैपथ्य में रखकर अपने स्वयं के नियमों के आधार पर इन स्कूलों को संचालित कर रहे हैं। नतीजतन परिणाम बता रहे हैं कि शासन की मंशा में कोई कमी नहीं, लेकिन इन विद्यालयों के प्रिंसिपलों का अफसरशाही रवैया शासन की मेहनत पर पानी फेरता नजर आ रहा है। कुछ प्रिंसिपल अपने आप को सीधे उच्च स्तर—यहां तक कि डीपीआई से जुड़ा बताकर स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को नजरअंदाज कर रहे हैं।

10वीं-12वीं में 25 सरकारी स्कूलों का रिजल्ट 100%: इसमें 10वीं में 17 और 12वीं में 8 स्कूलों का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा था

माध्यमिक शिक्षा मंडल के 10वीं और 12वीं कक्षा के रिजल्ट घोषित होने के बाद अब जिले के सभी शासकीय स्कूलों के रिजल्ट की समीक्षा की जा रही है। इस वर्ष 10वीं कक्षा में 17 स्कूलों का रिजल्ट 100 फीसदी रहा। वहीं 12वीं कक्षा में इस वर्ष 8 स्कूलों का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वर्ष 5 स्कूलों ने शत-प्रतिशत रिजल्ट दिया था। कक्षा 12वीं में 17 स्कूल ऐसे रहे हैं, जिनका रिजल्ट 50 प्रतिशत से कम रहा, वहीं कक्षा 10वीं में 23 स्कूल ऐसे रहे हैं, जिनका रिजल्ट प्रतिशत 50 फीसदी से कम रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि इसमें दो सांदीपनी स्कूल भी शामिल है। वहीं कम प्रतिशत वाले स्कूलों की बात की जाए तो शासकीय उत्कृष्ट देपालपुर ऐसा स्कूल रहा है, जहां कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों का ही रिजल्ट 50 प्रतिशत से कम रहा है। कक्षा 10वीं में सबसे कम प्रतिशत शासकीय उर्दू बक्षीबाग का रहा, जहां केवल 29.41 प्रतिशत बच्चे पास रहे। वहीं हायर सेकेंडरी में शा.उ.मा.वि. विवेकानंद का रिजल्ट सबसे कम रहा, जहां केवल 20.27 प्रतिशत बच्चे पास हुए।

न्यूज ब्रीफ

एकाग्र फाउंडेशन के अनोखे मंच पर उभरी जन-नेतृत्व की नई मिसाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एकाग्र फाउंडेशन द्वारा रविवार, 19 अप्रैल को एक अत्यंत अनूठा, प्रेरणादायी एवं विचारोत्तेजक कार्यक्रम '1 दिन का सीएम' का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम ने आमजन को शासन एवं नेतृत्व के प्रति अपनी सोच प्रस्तुत करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत एकाग्र फाउंडेशन की अभिनव पहल के साथ हुई, जिसमें 'कर्मसूर्य' की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। 'कर्मसूर्य' को कर्म, ऊर्जा और मनुष्य के भीतर निहित असीम शक्ति का प्रतीक बताते हुए उपस्थित जनसमूह को निरंतर कर्मशील रहने का संदेश दिया गया।

भव्य वेदी प्रतिष्ठा महामहोत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में नव निर्मित जिनालय में 22 से 25 अप्रैल तक श्री मुनिसुव्रतनाथ जिनालय का भव्य वेदी प्रतिष्ठा महामहोत्सव, पंचकल्याणक महोत्सव में प्रतिष्ठित जिन प्रतिमाएं होंगी विराजित। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि कनाड़िया रोड स्थित शुभ लाभ होम्स कॉलोनी में नवनिर्मित श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन जिनालय की भव्य वेदी प्रतिष्ठा महामहोत्सव का आयोजन दिनांक 22 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक आयोजन श्रमण संस्कृति के महामहिम*पट्टाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के कर कमलों एवं सूर्यमंत्र से संस्कारित जिन प्रतिमाएं होगी नवनिर्मित जिनालय वेदी में विराजमान होंगी। परम मंगलमय सानिध्य श्रुत संवेगी श्रमण मुनि श्री आदित्य सागर जी, श्रुत प्रिय श्रमण मुनि अप्रमित सागर जी,सहजानंदी श्रमण मुनि सहज सागर जी एवं छुल्लक श्रेयस सागर संसघ के मंगलमय पावन सानिध्य में आयोजन संपन्न होगा। मंदिर ट्रस्ट के न्यासी सुनील जैन ने बताया कि महामहोत्सव के प्रतिष्ठाचार्य के रूप में शास्त्री संजय 'सरस' जी चिचौली, बैतूल का कुशल निर्देशन एवं सानिध्य प्राप्त होगा।

वरिष्ठ नागरिक पेन्शनर एसोसिएशन कलेक्टर व कमिश्नर को 21 को ज्ञापन सौपेंगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वरिष्ठ नागरिक पेन्शनर एसोसिएशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी भगवतीप्रसाद पण्डित, सम्भाग अध्यक्ष राजेश जोशी एवं जिला अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह ठाकुर ने बताया कि 5 लाख पेंशनरों की लंबित मांगों को पूरा कराने हेतु एसोसिएशन के सदस्य मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन 21 अप्रैल को 4 से 5 बजे के बीच कमिश्नर एवं कलेक्टर को देंगे। मप्र छग राज्य संयुक्त पेंशनर फेडरेशन तथा वरिष्ठ नागरिक पेन्शनर एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष राजकुमार दुबे के नेतृत्व ने दोनों राज्यों की जिला इकाई के पेन्शनर अपने अपने जिले के कलेक्टरों को मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सौपेंगे।

निजी संस्थाओं के सहयोग से इंदौर में बढ़ा रहे हरियाली डिवाइडर, रोटरी और उद्यानों का कर रहे सौंदर्यीकरण

दैनिक इंदौर संकेत

शहर में जनभागीदारी के कार्यों को मिली गति, निगम आयुक्त बोले - बगैर विज्ञापन लगाए संस्थाओं को करना होगा काम

इंदौर ● शहर के डिवाइडर, ग्रीन बेल्ट, रोटरी, चौराहों तथा अविकसित उद्यानों के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए जनभागीदारी के माध्यम से कार्यों को गति दी जा रही है। नगर निगम द्वारा इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे शहर के विभिन्न स्थानों का सौंदर्य बढ़ाया जा सके। नगर निगम उद्यानों के विकास के लिए सामाजिक संस्थाओं और संगठनों को इन्हें गोद देने का प्रस्ताव मेयर इन कौंसिल से स्वीकृत किया गया है। इसके बाद शहर की विभिन्न संस्थाओं ने आगे आकर इन स्थानों के विकास की जिम्मेदारी ली है।

निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि इंदौर की पहचान केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के विकास कार्यों में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जब सामाजिक संस्थाएं और नागरिक स्वयं आगे आकर शहर के उद्यानों, चौराहों और डिवाइडरों के विकास में योगदान देते हैं, तो इससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलती है और जनभागीदारी का दायरा बढ़ता है।

इन स्थानों पर होंगे विकास कार्य

- क्वींस कॉलेज के सामने साईबाबा कॉलोनी से खंडवा नाका तक डिवाइडर
- बापट चौराहा से ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर (बीसीसी) तथा एबी रोड तक डिवाइडर
- चमेली विला कॉलोनी के सामने ग्रीन बेल्ट
- लैंटर्न चौराहा से मालवा मिल चौराहा तक डिवाइडर
- सुविधि नगर मेन रोड स्थित उद्यान
- ढक्कनवाला कुआं से गीता भवन चौराहा तक डिवाइडर
- *वार्ड 72 नेमी नगर उद्यान*
- *योजना 78, विजय नगर में अर्बन फॉरेस्ट व ओपन लर्निंग सेंटर*
- *हाईकोर्ट से मालवा मिल तक का क्षेत्र*
- *लैंटर्न चौराहा*
- *मंगल नगर, सत्कार गर्ल्स हॉस्टल के सामने*
- *महाराजा रणजीत सिंह प्रतिमा चौराहे से राजीव गांधी चौराहे तक*
- *आईटी पार्क चौराहे से महाराजा रणजीत सिंह कॉलेज तक*
- *विभिन्न ग्रीन बेल्ट एवं उद्यान*

इसके अलावा हाई कोर्ट चौराहा, मधुमिलन चौराहा, पाटनीपुरा, बॉम्बे हॉस्पिटल क्षेत्र, रेडिसन से रोबोट चौराहा, चाणक्यपुरी, निपानिया मेन रोड, रीगल तिराहा रोटरी, 56 दुकान क्षेत्र सहित कई अन्य स्थानों पर भी विकास कार्यों के लिए अनुबंध किए हैं। नगर निगम को शहर के अन्य क्षेत्रों के लिए भी नए प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। लगभग 8 संस्थाएं और भी सामने आई हैं, जो इंदौर के डिवाइडर, ग्रीन बेल्ट, उद्यानों और हरियाली बढ़ाने के क्षेत्र में काम करना चाहते हैं।

... इधर चोरी के संदेही की भागीरथपुरा चौकी में संदिग्ध मौत, दो पुलिस कर्मी सस्पेंड

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भागीरथपुरा चौकी में चोरी की बाइक के शक में लाए गए 45 साल के रामजी पिता रमेशचंद की पुलिस हिरासत में संदिग्ध मौत हो गई। बताया गया है कि उसने चौकी में पानी के मटके के पास रखा टायलेट क्लीनर पी लिया। डीसीपी ने इस मामले में चौकी प्रभारी सहित दो पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। इस बात की जांच की जा रही है कि रामजी ने जान बूझकर टायलेट क्लीनर पीया था या गफलत उसकी मौत का कारण बनीपुलिस के मुताबिक चोरी की बाइक के मामले में संदेही रामजी को पूछताछ के लिए भागीरथपुरा चौकी लाया गया था। वहां उससे पूछताछ की जा रही थी। इसी दौरान वह पानी पीने का बहाना बनाते हए पानी के मटके के पास पहुंचा और वहां मटके के पास रखे टायलेट क्लीनर को पी लिया। ये देखते ही चौकी में हडकंप मच गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसकी जान नहीं बची। पुलिस का कहना है कि अब ये जांच का विषय है कि रामजी ने जान बूझकर टायलेट क्लीनर पीया था या फिर पानी की गफलत में उसने ये पी लिया था जो उसकी मौत का कारण बना। इस मामले में पुलिस के बड़े अधिकारी जांच करेंगे। दूसरी ओर पता चला है कि डीसीपी राजेश व्यास ने इसे लेकर लापरवाही माना है, लापरवाही करने वाले चौकी प्रभारी संजय धुर्वे और एक अन्य कांस्टेबल को सस्पेंड कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि ये आत्महत्या है या फिर गफलत में मौत इसका खुलासा जांच के बाद ही सामने आएगा।

सिटी बस के मासिक पास में की गई बढ़ोतरी के विरोध में मुख्यमंत्री, महापौर, निगम आयुक्त के नाम दिया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व संभागीय प्रवक्ता सन्नी राजपाल एनएसयूआई के जिला उपाध्यक्ष लवेश यादव के नेतृत्व में नेहरू पार्क स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय का घेराव कर छात्र छात्राओं महिलाओं सीनियर सिटीजन विकलांग सहीत अन्य लोगों को सुविधा सीटी पास में की गई मूल्य वृद्धि के विरोध में एक ज्ञापन नगर निगम अपर आयुक्त एवं सीईओ स्मार्ट सिटी आर्ष जैन को मुख्यमंत्री इंदौर नगर निगम महापौर इंदौर नगर निगम कमिश्नर के नाम एक ज्ञापन दिया गया। और सीटी बस के मासिक पास में की गई बढ़ोतरी वापस लिए जाने कि मांग को लेकर नारेबाजी की गई।

शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा हैं कि शहर में सिटी बस से नियमित सफर करने वाले छात्रों को बड़ा झटका लगा है इंदौर नगर निगम ने महापौर बस पास में दी जाने वाली सब्सिडी रियायत बंद कर दी है मासिक पास में वृद्धि कर दी है साथ ही छात्र छात्राओं महिलाओं विकलांग सीनियर सिटीजन एवं अन्य को भी मिलने वाली सुविधा पास की सब्सिडी भी बंद कर दी गई है वहीं इससे छात्रों और अन्य लोगों को अब पहले के मुकाबले अधिक राशि चुकाना पड़ रही है पहले छात्र छात्रों को पास 200 में मिलता था,जिसे बढ़ाकर 600 कर दिया गया है सामान्य पास 600 से 1200 तक कर दिया गया है वहीं सीनियर सिटीजन के पास में भी बढ़ोतरी की गई है इंदौर सहित बाहर से आकर पढ़ाई करने वाले छात्र,छात्राओं और मजदूर परिवारों के लिए यह बढ़ोतरी बड़ी परेशानी का कारण बन गई है।

किराया बढ़ाने से मासिक खर्च बढ़ गया है कई लोगों के लिए नियमित सफर करना मुश्किल हो गया है जिससे पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है,वही छात्र अपने सपनों को पूरा करने के लिए इंदौर आए हैं आर्थिक संकट के बीच जैसे तैसे पढ़ाई कर रहे हैं सिटी बस के पास में बढ़ोतरी करने से पहले शासन को इन छात्र-छात्राओं के बारे में सोचना था,महापौर बस पास योजना के खत्म करने का सीधा असर छात्र-छात्राओं की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है इंदौर सहित आसपास के छोटे शहर,गांव से छात्र-छात्राएं इंदौर आकर पढ़ाई करते हैं मासिक पास में की गई बढ़ोतरी से छात्र-छात्राएं एवं सीनियर सिटीजन के साथ ही अन्य परेशान है।

बारिश के पहले तालाबों की चैनल साफ करें- सिंघल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने वर्षा ऋतु से पूर्व शहर के प्रमुख तालाबों और उनसे जुड़े जल आवक मार्गों (चैनलों) का निरीक्षण किया। इस दौरान लिबोदी, बिलावली और सिरपुर तालाब सहित संबंधित चैनलों की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के बौरान आयुक्त ने अमृत 2.0 योजना के तहत चल रहे तालाब गहरीकरण एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बिलावली तालाब के विकास कार्यों में तेजी लाएं- लिबोदी तालाब के निरीक्षण के पौरान निगमायुक्त ने वर्षा ऋतु से पहले गहरीकरण सहित आवश्यक कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। इसके बाद बिलावली तालाब का निरीक्षण किया गया, जहां विकास कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया गया। तालाब क्षेत्र में पाल पर पाथवे निर्माण, रेलिंग और लाइटिंग से जुड़े कार्यों को भी तय समय में पूरा करने के निर्देश किए गए। साथ ही तालाब गहरीकरण से संबंधित सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता देने को कहा गया। दोनों तालाबों में पानी लाने वाले चैनलों का भी निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु से पहले चैनलों की सफाई पूरी कर ली जाए और उनमें जमा मिट्टी हटाई जाए, ताकि बारिश के दौरान पानी का प्रवाह बिना बाधा के तालाबों तक पहुंच सके। इसके बाद सिरपुर तालाब कर निरीक्षण किया गया। यहां चल रहे जलकुंभी हटाने और सफाई कार्यों की समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने जलकुंभी हटाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि तालाब की जलधारण क्षमता बढ़ाई जा सके। शहर के कई तालाब जलकुंभी से पटे पड़े हैं। निगमायुक्त ने रविवार को तालाब का निरीक्षण किया, जिसके बाद यहां से जलकुंभी हटाने का काम शुरू हो गया है।

शहर में बिना लाइसेंस बोरिंग के पानी से बना रहे पंजाबी लस्सी, पेप्सी, मैंगो जूस, 635 किलो खाद्य सामग्री जब्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में खाद्य मिलावट बड़े पैमाने पर जारी है। जिला प्रशासन ने भी इनके खिलाफ अभियान चलाया है। अब कार्रवाई में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। बोरिंग के पानी से पेय पदार्थ बनाए जा रहे हैं। साथ ही बिना लाइसेंस लिए ही कई पदार्थों की पैकिंग कर उन्हें बेचा जा रहा है। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा को मिली गोपनीय खबर के बाद खाद्य टीम भेजकर यह जांच कराई गई।

खाद्य टीम द्वारा हुकुमचंद कॉलोनी स्थित हिना इंडस्ट्रीज का निरीक्षण किया गया। यह दिनेश जायसवाल की फर्म है। इसमें टीम ने मैंगो जूस, पेप्सी, पंजाबी लस्सी, ऑरेंज बेवरेज का निर्माण और पैकेजिंग पाई है। जांच में पाया गया कि इन्हें बनाने के लिए बोरिंग के पानी का उपयोग हो रहा है। साथ ही उपयोग में आ रहे खाद्य पदार्थों की किसी तरह की फूड सैंपल रिपोर्ट भी नहीं थी। लाइसेंस शर्तों का भी पालन नहीं हो रहा था। मौके से पांच नमूने जांच के लिए गए हैं। वहीं 635 किलो खाद्य सामग्री को जब्त कर लिया गया है। इसमें लेबलिंग संबंधी शर्तों में भारी अनियमितता पाई गई है। निर्माण को भी तत्काल रुकवा दिया गया है।

इसके साथ ही न्यू ट्रेक इंफो मीडिया, शांति पैराडाइस, निरंजनपुर देवास नाका पर भी जांच हुई है। इसमें फूड हैंडलर्स के मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं पाए गए हैं। कर्मचारी एप्रन, कैप आदि का उपयोग नहीं कर रहे थे। मौके पर गंदगी पाई गई है। यहां से भी चार नमूने जांच में लिए गए हैं। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद लेटेस्ट बेकरी धार रोड की भी जांच की गई है। यहां भी दूध, पेप्सी, लस्सी आदि के सैंपल जांच में लिए गए हैं।

पैसों के विवाद में बीच सड़क पर युवक ने की युवती से मारपीट, वीडियो वायरल होने पर हुई गिरफ्तारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नवलखा चौराहे के पास एक युवती के साथ युवक द्वारा सरेआम मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अभिरक्षा में ले लिया है। मुसाखेड़ी क्षेत्र के मयूर नगर में रहने वाली 28 वर्षीय महिला ने रविवार को भंवरकुआ थाने पहुंचकर शिकायत दी कि एक युवक ने पैसे के लेन-देन को लेकर उससे विवाद किया।

परशुराम जन्मोत्सव पर संस्कार यात्रा निकाली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री परशुराम सेना इंदौर द्वारा परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में आयोजित भव्य संस्कार यात्रा बड़ा गणपति चौराहे से निकाली गई यात्रा का शुभारंभ भगवान परशुराम जी के पूजन एवं वंदे मातरम गान के साथ हुआ श्री परशुराम सेना के संरक्षक अनूप बाजपेई प्रदेश अध्यक्ष अनूप शुक्ला महानगर संयोजक दीपक शर्मा एवं अध्यक्ष पप्पी शर्मा ने बताया कि यात्रा में परशुराम जी के चरित्र एवं गौ संरक्षण सहित सनातन विषयों पर तैयार की गई झील मिलाती झांकियां जिसमे संस्कृति, संस्कार, गर्भ संस्कार और गौ माता कि झाँकिया विशेष रूप से सम्मिलित की गई थी। साथ ही प्रख्यात भजन गायक गन्नू महाराज के सुमधुर भजनों पर समाज की मातृशक्ति ने श्री परशुराम जी के प्रति अपनी श्रद्धा भक्ति प्रदर्शित की। यात्रा के पूर्व वंदे मातरम का गान किया गया ।

सेंट पॉल स्कूल में 1976 बैच का स्वर्ण जयंती समारोह मनाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सेंट पॉल हायर सेकेंडरी स्कूल में, सन् 1976 बैच के छात्रों का 50 वर्ष बाद गोल्डन ज्यूबली समारोह स्कूल परिसर में आयोजित किया गया। इस समारोह में, इंदौर के बिशप फादर थॉमस मैथ्यूज मुख्य अतिथि रहे। फादर सिबी जोसेफ, सचिव, इंदौर डायोसिस एवं वर्तमान प्राचार्य फादर जोलीचन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। तेज कुमार बम और सीपी झंवर, दोनों पूर्व अध्यापक, सेंट पॉल स्कूल के छात्रों द्वारा सम्मानित किए गए।

बालरिया में होगा आज कुमावत समाज का विशाल सामूहिक विवाह समारोह

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर क्षत्रिय मेवाडा कुमावत समाज का समाजसेवी कैलाश धनेरिया की अगुवाई में 33 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन आज बालरिया में होगा सामूहिक विवाह समारोह की पूरी तैयारी हो गई है धनेरिया परिवार द्वारा समाज सुधार के लिए यह अनूठी पहल की गई है जिसमें उनके परिवार के बच्चों के साथ ही अनेक समाज जनों के बच्चों की शादी भी होगी। परिवार के कैलाश धनरिया ने बताया है कि इसके लिए शिवपुरा खेड़ा में स्थित गार्डन में व्यवस्था की गई है, करीब 10000 से अधिक लोगों को भोजन प्रसादी परिवार द्वारा बनाई गई है साथी परिवार के द्वारा वर और वधुओं को आशीर्वाद स्वरुप गृहस्ती के बर्तन व आभूषण भी प्रदान किए जाएंगे।

62 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन मांगलिया मंडी इन्दौर में अक्षय तृतीया के दिन 62 जोड़े का एक साथ परिणय सूत्र में एक दूसरे के जीवन साथी बने। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम के बारे पूर्व सरपंच नारायण परमार ने बताया कि समाज के इस कार्यक्रम में सर्व समाज को एक मंच पर लाकर उन्हें हर प्रकार का सहयोग किया गया।

इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में मुख्य रूप से क्षेत्रीय विधायक कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट, की उपस्थिति गरिमामय थी। कैबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश शासन तुलसी सिलावट ने इस अवसर पर कहा हमारे क्षेत्र में इस तरह सभी समाजजनों को लेकर इतना बड़ा आयोजन करना बहुत बड़ी बात है । समाजिक स्तर पर इस पुण्य कार्य में अपना सहयोग देने वाले हर एक समाजजन का पुण्य उदय हुआ है , जो कि वह इस कार्य में सहयोग कर रहे हैं। सामूहिक विवाह से

समाजिक स्तर पर एक-दूसरे के प्रति सकारात्मक ऊर्जा हम सभी को मिलती हैं। अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार,जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, समाजिक कार्यकर्ता रामेश्वर चौहान, पार्षद राकेश चौहान,सरपंच विजय हिरवे पार्षद राकेश सोलंकी पूर्व पार्षद हेमलता रामेश्वर चौहान, पप्पू शर्मा, गुड्डू जायसवाल,महेश मंत्री आदि सैकड़ों की संख्या में समाजिक बंधु उपस्थित थे।

अहिरवार जाटव समाज का निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अहिरवार जाटव समाज महानगर समिति बाईसी पंच का निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन ग्राम मोरोद नागराज धाम पर बड़े धूम-धाम से आयोजित हुआ। इस आयोजन मे मध्य प्रदेश के जिलों के साथ बाहर राज्यों के 30 जोड़े शामिल हुए। जिनका सम्पूर्ण खर्च कपड़े, जेवरात, भोजन सभी सामग्री की व्यवस्था समिति द्वारा की गई। कार्यक्रम अवसर पर पृथ्वीराज पिपले उस्ताद, राज पिपले, अनिल पिपले, विजय बिलोनिया, एडवोकेट गजानन्द सुनहरे, कमल बिलोनिया, एडवोकेट नरेन्द्र मौर्य सहित अनेक समाजगण उपस्थित थे। अहिरवार जाटव समाज महानगर केंद्रीय समिति बाईसी पंच द्वारा अक्षय तृतीया के पावन दिवस पर प्रतिवर्षोनुसार आयोजित उक्त सामूहिक विवाह सम्मेलन की शुरूआत बड़े धूम-धाम से विशाल चल

समारोह के रूप मे की गई। समारोह आयोजन समय मे वर-वधू को आर्शीवाद देने सूरज कैरो, राजकपूर सुनहरे, मुकेश कैरो पहुंचे। इस निःशुल्क सामूहिक विवाह मे सभी वर-वधू 30 जोड़ो को समिति द्वारा निःशुल्क वस्त्र, जेवरात, जूते सम्पूर्ण सामग्री प्रदान की गई। जिसके लिए बाईसी पंच समिति के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों और समाजजनों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 20 अप्रैल 2026

भोजशाला : मुस्लिम पक्ष ने कहा, मंदिर में पूजा के सबूत नहीं, वाग्देवी प्रतिमा परिसर में नहीं मिली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • धार भोजशाला केस में नया मोड़ आया है। मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट में कहा कि यहां मंदिर पूजा के कोई सबूत नहीं हैं और वाग्देवी प्रतिमा परिसर में नहीं मिली। दस्तावेजों पर भी सवाल उठाए गए। मामले की सुनवाई अब सोमवार को फिर होगी। अभी तक हिंदू पक्ष की ओर से सुनवाई चल रही थी। अब इसमें इंटरवीनर के तौर पर मुस्लिम पक्ष की ओर से भी तर्क रखे जाने शुरू हो गए हैं। आरोप लगाए कि ब्रिटिश म्यूजियम में रखी वाग्देवी प्रतिमा भोजशाला परिसर से मिली ही नहीं और इस संबंध में पेश दस्तावेज कूटरचित हैं। भोजशाला को लेकर चल रही याचिका में शनिवार को भी सुनवाई जारी रही। इसमें सबसे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक चितले ने अपने तर्क जारी रखे। उन्होंने मुख्य तौर पर सामाजिक सद्भाव बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही मांग की है कि इसके लिए हाईकोर्ट कोई निर्देश जारी करे कि ऐसी व्यवस्था हो कि विवाद, तनाव नहीं हो। वहीं मुस्लिम पक्ष की ओर से भी तर्क रखे जाने शुरू हो गए।

पहले याचिका के मेंटेनेबिलिटी पर ही सवाल

इसमें इंटरवीनर जिब्रान अंसारी की ओर से अधिवक्ता अजहर वारसी ने तर्क रखे। उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका की मेंटेनेबिलिटी पर ही सवाल खड़े किए। वारसी ने कहा कि यह वक्फ संपत्ति घोषित हो चुकी है। ऐसे में यदि अपील होना थी तो वक्फ ट्रिब्यूनल में जाना चाहिए था। वहीं यह संपत्ति के टाइटल का मामला है तो जिला कोर्ट में पक्ष रखना चाहिए। वहां पहले ही केस लगा हुआ है जिसमें 10 मई को सुनवाई है।

मंदिर पूजा के कोई सबूत नहीं

वहीं अधिवक्ता ने यह भी बात रखी कि यह मंदिर नहीं था। ऐसे कभी भी कोई सबूत नहीं मिले कि यहां पर पूजा होती थी। स्कूल कहना अलग बात है, जैसे हम कोर्ट को न्याय का मंदिर कहते हैं लेकिन वह मंदिर नहीं है। भोजशाला शब्द भी ब्रिटिश समय में ही आया, यह पहले से नहीं था।

वाग्देवी की प्रतिमा तो वहां मिली ही नहीं

वहीं इसमें गंभीर आरोप लगाते हुए याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ने कहा कि ब्रिटिश म्यूजियम में रखी वाग्देवी की प्रतिमा कभी भोजशाला परिसर में मिली ही नहीं। याचिकाकर्ताओं द्वारा जो इसमें दस्तावेज ब्रिटिश म्यूजियम के लगाए गए हैं वह कूटरचित हैं। असली दस्तावेज बताते हुए अधिवक्ता ने ब्रिटिश म्यूजियम की साइट के कुछ रिकॉर्ड भी हाईकोर्ट के सामने रखे। इसमें बताया गया कि वाग्देवी की प्रतिमा धार के सिटी पैलेस एरिया से मिली जो मौजूद परिसर से बाहर है। यानी वाग्देवी की प्रतिमा भोजशाला परिसर में कभी थी ही नहीं।

आज फिर जारी रहेगी सुनवाई

इस मामले में फिर सोमवार को सुनवाई जारी रहेगी। अधिवक्ता पूर्वी असाटी ने कहा कि अभी कई अहम बिंदुओं पर बहस बाकी है। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी द्वारा इसमें सुनवाई की जा रही है।

भोपाल की ताल के चौपाल से

मैडम के तीखे तेवर, डॉक्टर साहब की फटकार और वो दिल्ली वाली मुलाकात!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्य प्रदेश की सत्ता गलियारों में इन दिनों एक अजीब सी हलचल देखने को मिल रही है। मंत्री से लेकर अफसरों तक, सबकी कुर्सी खतरे में है। यहां सियासत के खेल और सख्त सवालों के बीच सत्ता के बड़े फैसले सामने आ रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के कॉलम बोल हरि बोल में पढ़िए इन घटनाओं के बारे में विस्तार से...

मध्यप्रदेश में प्रचंड गर्मी का दौर शुरू हो गया है। इसी के साथ सत्ता और सिस्टम के गलियारों में भी पारा चढ़ा हुआ है। इस बीच एक मंत्री जी की चिट्ठी खूब सुर्खियां बटोर रही है। वहीं, मैडम के तेवर के किस्से भी कम नहीं हैं। तो एक माननीय की दिल्ली वाली मुलाकात से उनके विरोधियों के सीने पर सांप लोट रहे हैं।

डॉक्टर साहब के सवाल ने खोली पोल!

मंत्रालय की हाई-प्रोफाइल बैठक में उस वक्त माहौल अचानक बदल गया, जब सब बढ़िया है वाले प्रेजेंटेशन पर डॉक्टर साहब के एक सीधे सवाल ने पूरी कहानी उलट दी। अफसरों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ बताया कि जल गंगा और जल संचय भागीदारी अभियान में मध्य प्रदेश देश में अव्वल चल रहा है। आगे बढ़ते हुए उन्होंने यह भी जोड़ा कि जल संवर्धन में डिंडोरी पहले नंबर पर है और खंडवा दूसरे स्थान पर चमक रहा है। सब कुछ तालियों के लायक लग ही रहा था कि तभी डॉक्टर साहब ने स्लाइड को बीच में रोक दिया। उन्होंने पूछा कि जब खंडवा देश में दूसरे नंबर पर है, तो इसी प्रेजेंटेशन में पीएचई की नल-जल योजना में वह सबसे नीचे कैसे दिख रहा है। बस, फिर क्या था... कमरे में अचानक सन्नाटा पसर गया। कुछ पल पहले जो आंकड़े शान से चमक रहे थे, वही अब सवालों के घेरे में खड़े नजर आए। खंडवा कलेक्टर ने स्थिति संभालने की कोशिश की। सफाई आई कि पीएचई के ईई की वजह से डेटा फीड नहीं हो पाया। लेकिन मुख्यमंत्री ने तुरंत पूछा, तो इसका मतलब आपको खुद भी असली स्थिति का अंदाजा नहीं था। इस एक लाइन ने पूरी बैठक की हवा निकाल दी। अफसरों ने बात को घुमाने और संभालने की कोशिश जरूर की, लेकिन तब तक मामला हाथ से फिसल चुका था। कहावत याद आ गई- दूध में मक्खी गिर जाए तो उसे निकालने से भी स्वाद वापस नहीं आता। असल में, गलियारे की फुसफुसाहट कुछ और ही कहानी कहती है। यहां एक अनकहा नियम चलता है कि जो अफसर जितनी चमकदार आंकड़ेबाजी कर ले, उसकी उतनी ही जोरदार वाहवाही होती है। जमीन पर हालात कैसे हैं, यह बाद की बात है; प्रेजेंटेशन के रंग और ग्राफ ही असली खेल तय करते हैं।

मैडम को भी विपश्यना भेज दो...

मंत्रालय के गलियारों में इन दिनों एक एसीएस मैडम के तेवर चर्चा में हैं। हाल की कई बड़ी बैठकों में उनका अंदाज इतना सख्त रहा कि मैदान से लेकर मंत्रालय तक अफसरों के पसीने छूटते नजर आए। जूनियर आईएएस हों या सीनियर... मैडम किसी की भी समझ पर सवाल उठाने से नहीं हिचकतीं। मैडम हर बैठक में पूरी तैयारी के साथ आती हैं। एजेंडे के किसी एक बिंदु को पकड़ती हैं और वहीं से ऐसे सवाल दागती हैं कि पूरे विभाग की पेशानी पर बल आ जाएं। नतीजा यह होता है कि प्रेजेंटेशन के रंग फीके पड़ जाते हैं और माहौल थोड़ा भारी हो जाता है। अब हाल यह है कि बैठक के बीच ही अफसरों के बीच फुसफुसाहट सुनाई देने लगी है कि मैडम को भी विपश्यना भेज दो, शायद थोड़ा सुकून मिल जाए! दिलचस्प बात यह है कि पहले यह तंज सिर्फ 'साहब' के लिए इस्तेमाल होता था, अब मैडम भी उसी लिस्ट में शामिल हो गई हैं। वैसे, मैडम की काबिलियत और ईमानदारी पर किसी को शक नहीं... बस तेवर थोड़े नरम हो जाएं तो तस्वीर और भी बेहतर हो सकती है।

साहब कब बन गए डॉक्टर?

मंत्रालय के गलियारों में इन दिनों नए डॉक्टर साहब की एंट्री ने सबको चौंका दिया है। मामला यह है कि एक प्रमोटी आईएएस अफसर ने अचानक अपने नाम के आगे डॉक्टर जोड़ लिया है। अब बाकी अफसरों के बीच कानाफूसी शुरू हो गई है कि 'भई, ये डिग्री कब और कहां से ले आए, जिज्ञासा बढ़ी तो खोजबीन भी हुई, इसमें पता चला है कि किसी निजी संस्था ने उन्हें मानद उपाधि से नवाजा है। बस, तभी से साहब ने डॉक्टर को अपने नाम का स्थायी हिस्सा बना लिया है। मजेदार बात यह है कि खुद साहब को भी नियम-कायदे पता हैं कि मानद उपाधि को इस तरह इस्तेमाल नहीं किया जाता। मगर दिखावे की इस दौड़ में नियम अक्सर फाइलों में ही रह जाते हैं।

अब खाकी में होगी सर्जरी...

प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर उठते सवालों के बीच अब खाकी में बड़ी सर्जरी की तैयारी है। खबर है कि कई जिलों के कप्तानों को इधर से उधर करने की सूची लगभग तैयार है और इस बार फेरबदल छोटा नहीं, असरदार होने वाला है। सूत्र बताते हैं कि सूबे के मुखिया खाकी के घटते खौफ से खासे नाराज हैं। साफ संकेत है कि मैदान में फिर से इकबाल कायम करना होगा। इसी के चलते लंबे समय से लंबित आईपीएस तबादलों को अब हरी झंडी मिलने वाली है। दिलचस्प यह है कि आईएएस की कई सूचियां आ चुकी हैं, लेकिन खाकी का मामला अब तक फंसा हुआ था। हाल की कुछ घटनाओं और कई जिलों के कप्तानों की भूमिका पर उठे सवालों ने इस मुद्दे को और गरमा दिया है। अब चर्चा है कि इसी हफ्ते तबादलों की सूची सामने आ सकती है। नजरें एक और दिलचस्प पहलू पर टिकी हैं- पीएचक्यू के प्रस्ताव में शामिल नामों में से आखिर कितनों पर मुहर लगती है। क्योंकि पिछले कुछ समय में कई प्रस्तावों के पलटने से अंदरखाने खासी हलचल रही है। अब देखना है कि इस सर्जरी में कौन फिट बैठता है और किसकी कुर्सी खिसकती है...!

कांग्रेस में कुर्सी हलचल तेज...

प्रदेश कांग्रेस में अंदरखाने बड़ी उठापटक की पटकथा लगभग तैयार मानी जा रही है। खबर है कि जिन आठ जिलों में प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा, वहां अब जिला अध्यक्षों की कुर्सी खतरे में है। सूची में निमाड़, बुंदेलखंड, मध्य और विंध्य अंचल के कुछ जिले शामिल हैं। इस सुगबुगाहट ने संगठन में हलचल बढ़ा दी है। मौजूदा अध्यक्षों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिख रही हैं, तो दूसरी ओर दावेदारों की सक्रियता अचानक बढ़ गई है। हाल यह है कि पीसीसी दफ्तर में रोज नए-नए चेहरे अपनी टीम के साथ नजर आने लगे हैं। 'गणेश परिक्रमा' का दौर चल रहा है। सिर्फ नीचे ही नहीं, ऊपर तक लॉबिंग तेज है। हर कोई अपने-अपने समीकरण साधने में जुटा है, ताकि जब सूची निकले तो नाम उसी के पक्ष में हो। अब सबकी नजर उस लिस्ट पर टिकी है, जो तय करेगी कि किसकी कुर्सी जाएगी और किसकी किस्मत चमकेगी...!

एक मुलाकात... और बढ़ गई पावर की चर्चा!

सूबे की सियासत में इन दिनों एक माननीय की बीजेपी के नंबर-2 से हुई मुलाकात खूब सुर्खियां बटोर रही है। एक तस्वीर सामने आई और बस... राजनीतिक गलियारों में कयासों का बाजार गर्म हो गया है।चर्चा यह है कि माननीय जिस मकसद से गए थे, शायद बात बन ही गई है। अब तो विरोधी भी तस्वीर में उनकी मुस्कान के मतलब निकालने में जुटे हैं... कौन-सा संकेत है, क्या संदेश है, सबकी अपनी-अपनी व्याख्या चल रही है। उधर, समर्थकों का उत्साह सातवें आसमान पर है। उन्हें इस मुलाकात में आने वाले बड़े बदलाव की झलक दिख रही है। अंदरखाने तो यह तक कहा जा रहा है कि अब माननीय की नजर मंत्रिमंडल की कुर्सी पर है। एक तस्वीर ने माननीय की राजनीतिक ताकत को नई चमक दे दी है... अब देखना यह है कि यह मुस्कान सिर्फ कैमरे तक रहती है या सत्ता के गलियारों में भी रंग दिखाती है!

वीआईपी भक्ति पर बवाल...

सूबे के एक दिग्गज मंत्री जी इन दिनों अपनी एक चिट्ठी को लेकर सुर्खियों में हैं। मामला कुछ यूं है कि मंत्री जी ने दक्षिण के एक प्रसिद्ध मंदिर में दर्शन के लिए सिफारिशी पत्र लिखा है, जिसमें अपने करीबी लोगों के लिए वीआईपी दर्शन की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया है। बस, जैसे ही यह चिट्ठी सोशल मीडिया पर वायरल हुई, प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। किसी ने तंज कसा कि क्या अब भगवान के दरबार में भी वीआईपी एंट्री जरूरी हो गई। तो किसी ने सीधा सवाल दाग दिया कि जब आस्था सच्ची हो, तो लाइन में लगने में दिक्कत कैसी, मामला अब सिर्फ एक चिट्ठी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वीआईपी कल्चर बनाम आम श्रद्धालु की भावना पर बहस छेड़ गया है। लोग कह रहे हैं कि भक्ति में बराबरी होनी चाहिए, यहां सिफारिश की जगह नहीं होनी चाहिए।

पितृरेश्वर हनुमान जी विराजे, 3100 किलो आम का लगा महाभोग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर पितृ पर्वत स्थित श्री पितृरेश्वर हनुमान धाम पर रविवार को श्री पितृरेश्वर हनुमान जी आम वाटिका में विराजे, 3100 किलो आम का महाभोग लगा, भोग के बाद भक्तों को आम का प्रसाद वितरित किया, महाआरती हुई, साधु संत सम्मिलित हुए। श्री पितृरेश्वर हनुमान धाम के प्रमुख आकाश विजयवर्गीय,महेश दलोद्रा ने बताया कि अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर श्री पितृरेश्वर हनुमान जी को 3100 किलो आम का महाभोग शाम को लगा, भगवान का फूल बंगले की तरह आम की वाटिका सजा, भगवान के आसपास चारों तरफ आम ही आम लगाए गए, इसमें हापुस, बादाम,लगड़ा, अलफांसो, तोतापरी, दशहरी, सहित कई किस्म के आम का भोग लगा। 21 विद्वान पंडितो द्वारा वेद मंत्रों के बीच भगवान को महाभोग लगाया गया। इसके बाद भगवान की सैकड़ो दीपों से महाआरती हुई। इसमें बड़ी संख्या में साधु संत सम्मिलित हुए।

23 वर-वधु हिंदू रीति रिवाज से परिणय सूत्र में बंधे, वंदे मातरम का गान किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संस्था हर्ष का सनातन सामाजिक समरसता सामूहिक विवाह रविवार को बाणगंगा स्थित बाणेश्वर कुंड में साधु संतों के पावन सानिध्य में आयोजित किया। इसमें 23 वर-वधु परिणय सूत्र में बंधे। सामूहिक विवाह हिंदू रीति रिवाज से किया। आयोजन में बारात से लेकर भोजन और फेरे, कन्यादान की कमान कार्यकताओं ने संभाली। इसके पहले शाही बाना निकाला गया। सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता की मिसाल बना। वंदे मातरम गान हुआ। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित अन्य सम्मिलित हुए।

पश्चिम बंगाल का बेड़ा गर्क किया:बदहाली के लिए ममता सरकार का 'जंगलराज' जिम्मेदार : सीएम मोहन यादव

भोपाल (एजेंसी) • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में उतरे। उन्होंने कोलकाता के कमरहाटी और मेदनीपुर के खड़गपुर सदर में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में धुआंधार प्रचार किया। गलियों में पैदल घूमकर और रोड शो के जरिए जनता से रूबरू होते हुए डॉ. यादव ने सीधे शब्दों में कहा कि बंगाल की बदहाली के लिए टीएमसी का 'जंगलराज' जिम्मेदार है और अब राज्य की जनता इस कुशासन से परमानेंट मुक्ति चाहती है। मुख्यमंत्री ने कोलकाता के अंदरूनी इलाकों की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि यहां गरीबी ने पैर पसार रखे हैं और हालात दयनीय हैं। उन्होंने स्थानीय युवाओं के दर्द को छूते हुए कहा कि रोजगार के अभाव में बंगाल का टैलेंट पलायन करने को मजबूर है। डॉ. यादव ने भरोसा दिलाया कि जिस बंगाल ने कभी देश को दिशा दिखाई थी, उसे फिर से

उत्थान की ओर ले जाने के लिए 'खिलता कमल' और भाजपा की सरकार अनिवार्य है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल की जनता अब ठहराव नहीं, बल्कि प्रगति की नई इबारत लिखना चाहती है।

डॉ. यादव ने पश्चिम बंगाल की सबसे बड़ी समस्या 'बांग्लादेशी घुसपैठ' को मुख्य मुद्दा बनाया। उन्होंने दो टूक कहा कि राज्य की सुरक्षा और जनसांख्यिकी को बचाने के लिए भाजपा की जीत जरूरी है। उन्होंने चुनाव आयोग के निर्देशों पर हुए एसआईआर का जिक्र करते हुए कहा कि सही मतदाताओं की पहचान और घुसपैठियों पर लगाम लगाने के लिए यह प्रक्रिया अत्यंत आवश्यक है।

इस्कॉन मंदिर परिसर में राधा गोविंद एवं राम दरबार का नौका विहार देखने उमड़े श्रद्धालु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • निपानिया स्थित इस्कॉन मंदिर पर रविवार शाम भगवान राधा गोविंद एवं राम दरबार ने कमल के पुष्प जैसी आकृति वाली नौकाओं में विराजित हो कर मंदिर परिसर स्थित कुंड में नौका विहार किया एवं अपने भक्तों को दर्शन दिए । सैकड़ों भक्तों ने आह्लादित हो कर इस मनोहारी लीला के दर्शन किए।इसके पूर्व मंदिर परिसर में पालकीयात्रा भी निकाली गई।इस दौरान समूचा परिसर राधा गोविंद और सीता-राम के जयघोष से गुंजायमान बना रहा। इस्कॉन इंदौर के अध्यक्ष एवं इस्कॉन इंडिया के वाइस चेयरमैन स्वामी महामनदास प्रभु के सानिध्य में इस महोत्सव की विशेष तैयारियां की गई थी। दोनों नौकाओं को अनेक किस्म के फूलों और सुगंधित द्रव्यों से श्रृंगारित- सुरभित किया गया था । इस अवसर पर इस्कॉन परिवार के संतों गिरधर गोपाल दास प्रभु, कृष्णार्चन प्रभु, अच्युत गोपाल प्रभु, विशाल प्रभु, जगतजीवन प्रभु , दामोदरदास प्रभु, समर्पितदास प्रभु, केशवदास प्रभु, लक्ष्मण दास ,अद्विधरण प्रभु ,भक्त वत्सल दास आदि ने सभी मेहमानों की अगवानी की । भक्त मंडल के हरि अग्रवाल,शैलेंद्र मित्तल,अशोक गोयल, किशोर गोयल, मुरली धामानी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने नौका पूजन कर रहे स्वामी महामन दास एवं इस्कॉन परिवार के संतों का स्वागत किया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

खाटू श्याम भजन संध्या में सजाया बाबा का मनोहारी दरबार, नाचते रहे सैकड़ों श्रद्धालु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अग्रवाल समाज के वरिष्ठ समाजसेवी, मध्य भारत अग्रवाल सभा एवं स्नेह नगर रहवासी संघ के प्रमुख रमेश गुप्ता पीठेवाले के आतिथ्य में एबी रोड स्थित माहेश्वरी मांगलिक भवन पर वैशाख शुक्ल एकादशी के उपलक्ष्य में खाटू श्याम बाबा का दरबार सजाकर भजन संध्या का दिव्य आयोजन किया गया।

सम्पादकीय

मतदाता सूची से बाहर लाखों नाम, सुप्रीम कोर्ट से राहत, संशय अब भी बरकरार

समस्या यह है कि पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोट डाले जाने हैं और अब तक भारी संख्या में वैसे लोग मतदाता सूची से बाहर हैं, जिन्हें 'विचाराधीन' की श्रेणी में रखा गया है या जो किसी मामूली गड़बड़ी की वजह से नियमों की कसौटी पर पात्र नहीं माने गए। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया की वजह से जिस तरह की जटिलता खड़ी हुई है, उसमें लाखों मतदाताओं के मताधिकार से वंचित रह जाने की आशंका है। इस मसले पर राज्य के आम लोगों के बीच आक्रोश भी देखा गया। मगर यह सवाल अब भी कायम है कि अगर किन्हीं वजहों से बाद में पात्र साबित हुए मतदाता वोट देने से वंचित रह गए, तो इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा। समस्या यह है कि पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोट डाले जाने हैं और अब तक भारी संख्या में वैसे लोग मतदाता सूची से बाहर हैं, जिन्हें 'विचाराधीन' की श्रेणी में रखा गया है या जो किसी मामूली गड़बड़ी की वजह से नियमों की कसौटी पर पात्र नहीं माने गए। यह बेवजह नहीं है कि राज्य में इस मसले पर तीखे मतविरोध उभरे हैं और मांग की जा रही है कि चुनाव आयोग ऐसी कोई व्यवस्था करे, ताकि किसी पात्र मतदाता को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं होना पड़े। इसी के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अनुच्छेद 142 का हवाला देते हुए एक अहम आदेश दिया कि पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान के लिए अपीलीय प्राधिकरण जिन लोगों की अपील पर 21 अप्रैल तक फैसला दे देंगे, वे अपने मतदान के अधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। वहीं, प्राधिकरण की ओर से जिन लोगों की अपील पर 27 अप्रैल तक फैसला कर दिया जाएगा, वे 29 अप्रैल को दूसरे चरण में अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। यानी सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद राज्य के लाखों वैसे लोगों को राहत मिली है, जिन्हें किन्हीं वजहों से एसआइआर की प्रक्रिया के दौरान वोट देने के अधिकार से वंचित मान लिया गया था। उसके बाद मतदाता सूची से हटाए गए बहुत सारे लोगों ने अपीलीय प्राधिकरणों में अपील दायर की हुई है कि उन्हें पात्र मतदाता माना जाए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ जिन मतदाताओं की अपील प्राधिकरणों की ओर से स्वीकार कर ली गई है, उनके नाम को शामिल करते हुए पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी की जाए।

गर्मी की मार, गिरता जनस्वास्थ्य: आखिर कब जागेगी नीति-व्यवस्था?

तपता हुआ आसमान अब सिर्फ मौसम का मिज़ाज नहीं, बल्कि एक सुलगता संकट है जो हमारी सांसों, श्रम और अस्तित्व को चुपचाप निगल रहा है। आसमान की तीखी तपिश एक अदृश्य आपदा बन चुकी है, जिसने भारत में जीवन के संतुलन को डगमगा दिया है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में गर्मी अब सहनशीलता की सीमा नहीं, बल्कि सीधे स्वास्थ्य पर प्रहार करने वाली ताकत बन गई है। बढ़ती हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता साफ दिखाती है कि यह अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी और गहराता संकट है। ऐसे में इसे केवल पर्यावरण का मुद्दा मानना भूल होगी; इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में स्वीकार करना अब न केवल आवश्यक, बल्कि अपरिहार्य हो गया है।

इस उभरते संकट की सबसे निर्मम मार उसी विशाल अनौपचारिक श्रमबल पर पड़ रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था की धुरी है, फिर भी नीतिगत प्राथमिकताओं में हाशिये पर रहता है। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र के करीब 12.8 करोड़ कार्यकर्ता—निर्माण स्थलों की धूल, सड़कों की तपिश, बाजारों की भीड़ और डिलीवरी के चक्र में जुटे मजदूर—खुले आसमान के नीचे बिना सुरक्षा के काम करने को विवश हैं। उन्हें न पर्याप्त छाया मिलती है, न स्वच्छ व ठंडे पानी की नियमित उपलब्धता, और न ही स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसेमंद तंत्र। यह विडंबना है कि जो हाथ देश की प्रगति को गति देते हैं, वही जलवायु संकट के सामने सबसे अधिक असहाय और असुरक्षित हैं। स्वास्थ्य के मोर्चे पर बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभाव अब गहरे, व्यापक और चिंताजनक रूप ले चुके हैं। ऊंचा तापमान हृदय संबंधी बीमारियों से होने वाली मौतों के खतरे को बढ़ा रहा है, वहीं गर्भवती महिलाओं में समय से पहले प्रसव का जोखिम 15–16 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। निर्जलीकरण, अत्यधिक थकावट, गुर्दे की खराबी और मांसपेशियों में ऐंठन जैसे लक्षण अब अपवाद नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सच्चाई बनते जा रहे हैं। जो आंकड़े सामने आते हैं, वे इस संकट की केवल ऊपरी परत दिखाते हैं; असल तस्वीर कहीं अधिक भयावह है, जहां अनगिनत पीड़ाएं और मामले बिना दर्ज हुए चुपचाप दब

जाते हैं। गर्मी का प्रभाव अब केवल शरीर की सहनशक्ति तक सीमित नहीं रहा; यह बीमारियों की प्रकृति, उनकी गति और उनके फैलाव की दिशा तक को बदल रहा है। तापमान में निरंतर वृद्धि और वर्षा के अस्थिर पैटर्न ने मच्छरों के जीवनचक्र को इस तरह परिवर्तित किया है कि डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां तेजी से नए भूभागों, यहां तक कि हिमालयी क्षेत्रों में भी पैर पसार रही हैं। जो संक्रमण कभी सीमित भौगोलिक दायरों में बंधे थे, वे अब उन क्षेत्रों में भी उभर रहे हैं जहां पहले उनका नामोनिशान तक नहीं था। इस बदलाव ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर असामान्य दबाव डाल दिया है, जबकि पहले से ही वंचित और कमजोर समुदाय और अधिक खतरे में आ गए हैं।

आर्थिक मोर्चे पर भी यह संकट अदृश्य चोट की तरह गहरा असर डाल रहा है। लैंसेट काउंटडाउन 2025 के अनुसार 2024 में गर्मी ने भारत से करीब 247 बिलियन श्रम घंटे छीन लिए, जिससे लगभग 194 बिलियन डॉलर की आय हानि हुई। 2030 तक गर्मी से 34 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियां प्रभावित होने का अनुमान है। बढ़ती गर्मी ने श्रम उत्पादकता को इस हद तक प्रभावित किया है कि काम की रफ्तार धीमी पड़ रही है, जिससे मजदूरों की कमाई घट रही है और देश की आर्थिक प्रगति भी बाधित हो रही है। अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की स्थिति सबसे अधिक दयनीय है, जहां बीमारी के दौरान विश्राम या आय-सुरक्षा जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, इसलिए वे मजबूरी में काम जारी रखते हैं और अपनी सेहत को और गहरे संकट में धकेलते जाते हैं। इसके बावजूद, नीति स्तर पर यह संकट अब भी अपेक्षित प्राथमिकता हासिल नहीं कर पाया है। हीटवेव को अभी राष्ट्रीय आपदा का दर्जा नहीं मिला है, जिसके कारण राहत, पुनर्वास और मुआवजे की व्यवस्था सीमित और धीमी बनी हुई है। नतीजतन, सबसे अधिक प्रभावित वर्ग ही सबसे कम संरक्षित रह जाता है। यदि जलवायु परिवर्तन को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया जाए, तो संसाधनों का अधिक प्रभावी और त्वरित आवंटन संभव होगा, निर्णय प्रक्रिया में तेजी आएगी और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन मजबूत होगा। यह कदम औपचारिकता नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है।समाधान के स्तर पर अब आधे-अधूरे उपायों से आगे बढ़कर ठोस और व्यापक कार्रवाई की जरूरत है। अनौपचारिक मजदूरों के लिए हीट-सेफ्टी कानून लागू करना, हर कार्यस्थल पर छाया और स्वच्छ पानी की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करना, तथा काम के घंटों को तापमान के अनुसार वैज्ञानिक ढंग से पुनर्निर्धारित करना बेहद जरूरी है। शहरी इलाकों में हरित क्षेत्र बढ़ाना, सुलभ कूलिंग सेंटर विकसित करना और जलवायु-लचीला स्वास्थ्य ढांचा तैयार करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे। साथ ही, जागरूकता अभियानों को मजदूरों की भाषा, परिस्थितियों और जरूरतों के अनुरूप ढालना अनिवार्य है, ताकि ये उपाय वास्तव में प्रभावी बन सकें। अब निर्णय की घड़ी आ चुकी है—यह मानने की कि जलवायु परिवर्तन कोई दूर का खतरा नहीं, बल्कि हमारे वर्तमान का सख्त और तेजी से विकराल होता सच है। इसकी तपिश अब केवल मौसम तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन, स्वास्थ्य और आजीविका के हर पहलू को झुलसा रही है। यदि इसे समय रहते सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में स्वीकार कर ठोस और साहसिक कदम नहीं उठाए गए, तो इसके परिणाम और अधिक भयावह और व्यापक होंगे। यह लड़ाई केवल पर्यावरण बचाने की नहीं, बल्कि मानव जीवन, सामाजिक न्याय और आर्थिक स्थिरता को सुरक्षित रखने की है—और अब इस सवाल को टालना, दरअसल, भविष्य को खतरे में डालना होगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

कई प्रश्नों को जन्म देता है महिला आरक्षण विधेयक का गिरना

भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी न केवल एक सामाजिक आवश्यकता है, बल्कि हमारे संवैधानिक आदर्शों की अनिवार्य शर्त भी है। सांख्यिकीय दृष्टि से देखें तो 2011 की जनगणना के अनुसार प्रति 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ थीं, जबकि एनएफएचएस-5 के नवीनतम आँकड़े लिंगानुपात में सुधार दर्शाते हुए प्रति 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाओं की उपस्थिति दर्ज करते हैं। स्पष्ट है कि देश की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है। ऐसे में यह प्रश्न उठना अपरिहार्य है कि क्या नीति-निर्धारण के सर्वोच्च मंचों(संसद और विधानसभाओं)पर उनकी भागीदारी इस अनुपात के अनुरूप है?

राजनीति और समाजशास्त्र के विशेषज्ञों का मत है कि लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के न्यून प्रतिनिधित्व के कारण उनके सरोकारों को वह स्वर नहीं मिल पाता, जिसकी वे हकदार हैं। विडंबना देखिए कि यदि इन सदनों में उनकी सहभागिता प्रभावी होती, तो क्या महिलाओं के उत्थान से संबंधित कोई विधेयक इस तरह गिर सकता था?

हाल ही में, वर्ष 2029 के चुनावों से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से लाया गया 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' (131वाँ संविधान संशोधन विधेयक) संसद में दो-तिहाई बहुमत न मिल पाने के कारण पारित नहीं हो सका। केंद्र सरकार का यह महत्वाकांक्षी स्वप्न राजनीति की भेंट चढ़ गया। यह घटना भारतीय राजनीति की जटिलताओं और प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने को विवश करती है। यहाँ विचारणीय है कि क्या महिला प्रतिनिधित्व केवल एक चुनावी मुद्दा भर है? महिला आरक्षण का प्रश्न दशकों से लंबित है। यह मात्र एक विधायी प्रस्ताव नहीं, अपितु लैंगिक समानता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इसके बावजूद विधेयक का गिरना क्या यह संकेत नहीं देता कि महिला सशक्तिकरण को आज भी राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू पर तौला जा रहा है? जहाँ सत्तापक्ष ने प्रधानमंत्री की अपील और गृहमंत्री के स्पष्टीकरण के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता दर्शाने का प्रयास किया, वहीं विपक्ष का रुख कई गंभीर प्रश्न छोड़ गया जैसे क्या विपक्ष महिला सशक्तिकरण के प्रति वास्तव में गंभीर था; क्या 'परिसीमन' जैसे तकनीकी विषय महिला प्रतिनिधित्व से अधिक महत्वपूर्ण थे;क्या विपक्षी दलों के लिए 'विरोध के लिए विरोध' की राजनीति एक विवशता थी या सोची-समझी रणनीति; क्या क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व में यह असुरक्षा है कि आरक्षण लागू होने से उनके परिवारवाद का वर्चस्व कम हो जाएगा विपक्ष के कुछ गुटों का तर्क था कि इस आरक्षण के भीतर पिछड़ी, दलित और अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए अलग से प्रावधान होना चाहिए। यह तर्क सैद्धांतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है, किंतु क्या इस आधार पर पूरे विधेयक को ही अस्वीकार कर देना उचित था?, क्या सुधार की प्रक्रिया को सिरे से खारिज करना ही समाधान है? राजनीतिक दल चाहते तो विधेयक का समर्थन कर अपनी पार्टियों के भीतर आंतरिक स्तर पर पिछड़ी, दलित, आदिवासी जातियों को प्रतिनिधित्व देने की व्यवस्था कर सकते थे। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी दलों ने इसे सामाजिक न्याय के बजाय केवल एक राजनीतिक दांवपेच के रूप में देखा। संसद की यह परिणति समस्त देशवासियों को सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हमारा राजनीतिक वर्ग उस संवैधानिक समानता के आदर्श को स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैमेरा ऐसा मानना है कि बिना महिलाओं को नीति-निर्धारण में उचित स्थान दिए, 'सशक्त भारत' का स्वप्न कभी साकार नहीं हो सकता।

लेखक: **प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश**

आंचलिक

मनावर-खरगोन में करेला फसल खराब, किसानों को नुकसान, मंत्री कुशवाह ने खाद-बीज विक्रेताओं की जांच के दिए निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन/मनावर ● धार और खरगोन जिलों में अमानक करेले के बीज के कारण किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इस मामले में बड़ी संख्या में किसानों ने गुरुवार को दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की थी। मंत्री के हस्तक्षेप के कुछ ही घंटों बाद, मनावर पुलिस थाने में नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद, तेलंगाना के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया। इसके बाद, प्रदेश के उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने राज्यभर में खाद-बीज विक्रेताओं की जांच के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। धार और खरगोन में करेला फसल को हुए नुकसान के बाद हैदराबाद की नुन्हेम्स इंडिया कंपनी पर प्रतिबंध लगाया गया है और उसके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया है कि रोबस्टा किस्म के बीज की गुणवत्ता खराब थी, जिससे फसल प्रभावित हुई। मंत्री कुशवाह ने एक पत्र जारी कर कहा कि किसानों को उच्च गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मनावर और आसपास के गांवों में रविवार को अक्षय तृतीया पर मानसून से पहले कई खेतों में बुआई का काम शुरू हो गया है। किसान इस सीजन में कपास, मक्का और मिर्च की बुआई के बाद सोयाबीन बोने की तैयारी में हैं।

मान सिंचाई डैम का जल स्तर 19 मीटर घटा:मई में 53 गांवों को नहर से पानी की आपूर्ति पर पड़ेगा असर

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर ●मनावर के सबसे बड़ी मान सिंचाई परियोजना जीराबाद डैम का जलस्तर लगातार गिर रहा है। परियोजना के एसडीओ ईशराम कन्नौजे के अनुसार, रविवार को डैम का जलस्तर घटकर 277 मीटर रह गया है, जो सामान्य पूर्ण स्तर से करीब 19 मीटर कम है। डैम का जलस्तर कम होने से आने वाले मई महीने में सहायक नहरों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। सामान्य तौर पर बारिश के समय डैम 297 मीटर तक भरता है, जबकि नहरों में पानी देने के लिए कम से कम 290 मीटर जलस्तर जरूरी होता है। जलस्तर में गिरावट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि डैम के बीच अब टापू और चट्टानें दिखाई देने लगी हैं। यह स्थिति जल संकट के संकेत दे रही है। क्षेत्र के कई किसानों ने नहर के पानी पर भरोसा कर खरीफ सीजन के लिए कपास, सोयाबीन और मक्का की बुवाई शुरू कर दी है। ऐसे में पानी की कमी से उनकी फसल प्रभावित होने की आशंका है। इस सिंचाई परियोजना से गंधवानी तहसील के 14 गांवों को पानी मिलता है। विभाग द्वारा करीब 0.4 एमएसीएम पानी रिजर्व रखा जाता है, जबकि मनावर नगर पालिका के लिए 1.5 एमसीएम पेयजल भी सुरक्षित रखा जाता है। जीराबाद डैम जीराबाद गांव से करीब 2 किलोमीटर और मनावर से 22 किलोमीटर दूर स्थित है। यह 56 मीटर ऊंचा और 643 मीटर लंबा बांध है, जिसका निर्माण 2009 में करीब 246 करोड़ रुपए की लागत से किया गया था।

हसनपुरा तालाब गहरीकरण का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● प्रदेश के जल संसाधन विभाग और जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने ग्राम हसनपुरा में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन कर हसनपुरा तालाब गहरीकरण कार्य का शुभारंभ किया। समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज माने और पूर्व विधायक सुमित्रा कास्डेकर सहित अन्य उपस्थित लोग भी इस क्षण पर मुस्कुराए। प्रभारी मंत्री सिलावट ने तालाब गहरीकरण कार्य में लगे श्रमिकों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संचयन की शपथ भी ली। गौरतलब है कि तालाब गहरीकरण से इसकी जलधारण क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे आसपास के 101 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और किसान परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री सिलावट ने ग्रामीणजनों और महिलाओं के बीच बैठकर संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की विभिन्न योजनाओं के लाभ की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर

उपलब्ध कराया जाए। मंत्री सिलावट ने आयुष्मान कार्ड निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन वितरण, उज्ज्वला योजना और पेंशन योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही, ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों और प्रस्तावों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने जोर दिया कि जल गंगा संवर्धन अभियान को जनभागीदारी से जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाना है, जिससे जल संरक्षण के प्रयासों को व्यापक सफलता मिल सकेगी।

पानी के लिए पहाड़ी गड्ढों पर निर्भर, बाकड़ी में सड़क-बिजली-स्कूल तक नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● नेपानगर क्षेत्र की ग्राम पंचायत बाकड़ी के अंतर्गत आने वाले नादियामाल में आदिवासी परिवार भीषण गर्मी के बीच पानी की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीण अपनी दैनिक जरूरतों के लिए पहाड़ी में बने एक गड्ढे से पानी निकालने को मजबूर हैं। रविवार को नादियामाल में बड़ी संख्या में आदिवासी परिवार एकत्रित हुए और उन्होंने बुनियादी सुविधाओं के अभाव पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। यहां लगभग 200 से 250 परिवार निवास करते हैं, जो आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। महिलाओं और बच्चों को रोजाना पहाड़ों से पानी लाने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बरसात के दिनों में रास्ते फिसलन भरे हो जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। पेयजल के अलावा, नादियामाल में सड़क सुविधा का भी अभाव है, जिसके कारण यह क्षेत्र आज भी मुख्यधारा से कटा हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन को कई बार अवगत कराने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है, जिससे क्षेत्र में असंतोष लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

'एकात्म पर्व' की शुरुआत, ओंकारेश्वर पहुंचे सीएम मोहन यादव पूजन-अर्चन में जुटे संत-महात्मा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● आदिगुरु शंकराचार्य के प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में ओंकारेश्वर में 17 से 21 अप्रैल तक 5 दिवसीय 'एकात्म पर्व' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन ओंकार पर्वत स्थित एकात्म धाम पर हो रहा है, जिसका शुभारंभ आज किया जा रहा है। इसी बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ओंकारेश्वर पहुंच चुके हैं। हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर वे पूजन-अर्चन कर रहे हैं। उनके साथ द्वारका पीठाधीश्वर सदानंद सरस्वती महाराज भी मौजूद हैं।

कार्यक्रम में विवेकानंद केंद्र की उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता भिड़े, स्वामी शारदानंद सरस्वती सहित कई संत-महात्मा शामिल हो रहे हैं। समापन 21 अप्रैल को होगा, जिसमें संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि सहित अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। महोत्सव के दौरान 'अद्वैतामृतम्' विमर्श श्रृंखला में अद्वैत वेदांत के विभिन्न आयामों पर मंथन किया जाएगा। इसमें धर्म, दर्शन, पर्यावरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), वैश्विक शांति और सांस्कृतिक एकता जैसे समसामयिक विषयों पर चर्चा होगी। 17 अप्रैल को अद्वैत और जैन परंपरा, 18 अप्रैल को रामकृष्ण मिशन, सिख परंपरा और पर्यावरण संरक्षण, 19 अप्रैल को अद्वैत और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वैश्विक शांति और 'एक भारत' विषयों पर विशेष सत्र आयोजित होंगे। वहीं 20 अप्रैल को चिन्मय

मिशन और वेदांत के प्रसार पर चर्चा की जाएगी। समापन दिवस 21 अप्रैल को नर्मदा तट पर दीक्षा समारोह होगा, जिसमें देश-विदेश के 700 से अधिक युवा 'शंकरदूत' के रूप में दीक्षा लेंगे। इसी दिन अद्वैत वेदांत के प्रचार-प्रसार में योगदान के लिए स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती और गौतम पटेल को सम्मानित किया जाएगा। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। 17 अप्रैल को जयतीर्थ मेवुंडी का शास्त्रीय गायन और शुभदा वराडकर का ओडिसी नृत्य, 18 अप्रैल को जसलीन कौर की गुरुवाणी और डॉ. पद्मजा सुरेश का भरतनाट्यम, 19 अप्रैल को पार्वती बाउल और रमा वैद्यनाथन की प्रस्तुतियां होंगी। 20 अप्रैल को लता सिंह मुंशी और एस. ऐश्वर्या-सौंदर्या का कर्नाटक संगीत प्रस्तुत होगा, जबकि 21 अप्रैल को पद्मश्री हेमंत चौहान की निर्गुण वाणी और मणिपुरी नृत्य के साथ महोत्सव का समापन होगा।

खंडवा में वन भूमि से कब्जा हटाने पहुंचे फॉरेस्ट अफसर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● वन विभाग की जमीन पर कब्जा लेने की कार्रवाई के दौरान हंगामा हुआ। चार पीढ़ियों से खेती कर रहे आदिवासियों ने खेत और घर उजाड़ने के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान फॉरेस्ट अफसर और आदिवासी आमने-सामने आ गए। वन अफसर ने धमकी दी कि सपोर्ट करो, जैसा कह रहे हैं, वैसा करो। मामला मांधाता विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नरलाय का है। यहां प्रशासन की टीम अवैध कब्जा हटाने पहुंची। गांव से लगी करीब 23 एकड़ राजस्व जमीन चार साल पहले वन विभाग को हैंडओवर की गई थी। सुपुर्दगी के लिए पत्राचार के बाद मौके पर कब्जा लेने पहुंचे तो अतिक्रमण मिला। यहां 15 से 20 परिवार लंबे समय से रह रहे हैं। ये लोग 85 एकड़ सरकारी जमीन पर खेती करते आ रहे हैं। वन विभाग ने राजस्व अधिकारियों के सामने अतिक्रमण हटाने की शर्त रखी। इसी कार्रवाई के लिए टीम मौके पर पहुंची। शनिवार को आदिवासी और वन अफसर आमने-सामने हुए। कार्रवाई जारी है।

आदिवासी भील परिवार के भैयालाल, ओमप्रकाश, पंचम, जोगिया, अजय बारे और अरुण ने बताया कि पहले जमीन राजस्व विभाग

की थी, अब वन विभाग वाले अपनी बता रहे हैं। हमारा चार पीढ़ियों से इस जमीन पर कब्जा है। 80 साल हो गए, यहीं रहते हैं और खेती करते हैं। हम लोगों ने आज तक किसी से कोई विवाद नहीं किया। ना हमसे ग्रामीणों को आपत्ति है। यह जमीन बंजर थी, एक पौधा भी नहीं लगा हुआ था। हमने इसे खेत बनाकर सिंचित किया था। अब वन विभाग, राजस्व अधिकारी और पुलिस वाले आ गए। महज 4 घंटे में हमारी बस्ती को उजाड़ दिया। इसमें खंडवा फॉरेस्ट विभाग के रेंजर शंकर सिंह चौहान आदिवासियों से कहते दिखे कि, ज्यादा फालतू बात मत करो। हम सपोर्ट कर रहे हैं तो सपोर्ट लो, वरना यहीं गांव वाले देखते रह जाएंगे। कार्रवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर ममता चौहान, पुनासा तहसीलदार, पटवारी और बड़ी संख्या में वनकर्मी मौजूद रहे। जेसीबी से 10 झोपड़ियां तोड़ी गईं।

आईपीएल में आज होगा गुजरात और मुम्बई का मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी) • आईपीएल में गुजरात टाइटंस का सामना पड़ोसी टीम मुंबई इंडियंस से अहमदाबाद में होगा। पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस आईपीएल 2026 में संघर्ष कर रही है। मुंबई ने पहला मैच जीता था, लेकिन उसके बाद लगातार चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा। तो वहीं गुजरात टाइटंस शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार फॉर्म में चल रही है और जीत की हैट्रिक लगा चुकी है। ऐसे में एमआई के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा। हालांकि, दोनों टीमें एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे सकती है। आईपीएल 2026 में अब तक गुजरात और मुंबई दोनों ही टीमों ने 5-5 मुकाबले खेले हैं। गुजरात की टीम को शुरूआती दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, इसके बाद जीटी ने वापसी की और लगातार तीन मैचों में जीत हासिल की। तो वहीं मुंबई ने सीजन का आगाज शानदार अंदाज में किया था और कोलकाता के खिलाफ पहले ही मैच में जीत दर्ज की थी। एमआई 2012 के बाद पहली बार आईपीएल में अपना पहला मैच जीती थी। इसके बाद टीम जीत की पटरी से उतर गई और लगातार चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा। गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल में हेड टू हेड रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो जीटी का पलड़ा भारी दिखाई देता है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल आठ मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से गुजरात ने पांच मैचों में जीत हासिल की है, तो वहीं मुंबई इंडियंस को तीन मुकाबलों में जीत हासिल हुई है।

जब कोई अनुबंध था ही नहीं तो प्रतिबंध कैसे लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी) • जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी की एजेंसी ने पाकिस्तान सुपर लीग के खिलाफ आवाज उठाई है। एजेंसी का कहना है कि आईपीएल में केकेआर की टीम में शामिल होने से पहले उन्होंने पीएसएल का कोई आधिकारिक कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया था। एजेंसी ने पीसीबी से मुजरबानी पर पीएसएल में लगाए प्रतिबंध को हटाने की मांग की है। मुजरबानी की एजेंसी ने स्पष्ट किया कि मुजरबानी का किसी भी पीएसएल फ्रेंचाइजी के साथ कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं हुआ था। हालांकि इस्लामाबाद यूनाइटेड ने 2026 सीजन के लिए उनसे संपर्क किया था, लेकिन यह अनुबंध सिर्फ प्रोविजनल था और जिम्बाब्वे क्रिकेट से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट मिलने पर निर्भर था, जिसके लिए सबसे पहले एक वैध साइन किया हुआ अनुबंध जरूरी है। ब्लेसिंग से 2026 पीएसएल में खेलने के मौके के बारे में संपर्क किया गया था, जिसमें जिम्बाब्वे क्रिकेट से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट मिलने पर डील पक्की हुई थी। पीएसएल से कॉन्ट्रैक्ट के बिना एनओसी नहीं मिल सकती। सार्वजनिक घोषणा के बावजूद कभी कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं दिया गया। आप ऐसे कॉन्ट्रैक्ट को तोड़ नहीं सकते, जो आपको कभी मिला ही नहीं।

श्रेयस अय्यर को टी-20 टीम में मिले मौका

नई दिल्ली (एजेंसी) • श्रेयस अय्यर इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ जोन में हैं। यह उनकी फॉर्म और पंजाब के नतीजो में स्पष्ट दिख रहा है। आर अश्विन ने सुझाव दिया है कि अय्यर को भारत की टी-20 टीम में होना चाहिए, चाहे यह स्पष्ट न हो कि वह किसकी जगह लेंगे। अश्विन ने कहा, मैं सिर्फ़ बनाए गए रनों या छक्कों-चौकों को नहीं देख रहा हूं, बल्कि मैदान पर उनकी मौजूदगी का प्रभाव देख रहा हूं। जब श्रेयस अय्यर गार्ड मार्क करते हैं, तो लगता है कि वह एक ऐसे जोन में हैं, जो किसी क्रिकेटर के करियर में सिर्फ एक या दो ही साल के लिए आता है और तब ऐसा लगता है कि आप कोई ग़लती नहीं कर रहे। इस समय अगर उन्हें बड़े मौके नहीं मिलते, तो यह उनका नुकसान नहीं है। यह हमारा नुकसान है कि हम उन्हें भारतीय टीम के लिए वही करते नहीं देख पा रहे, जो वह अपने राज्य या फ्रेंचाइजो के लिए कर रहे हैं।

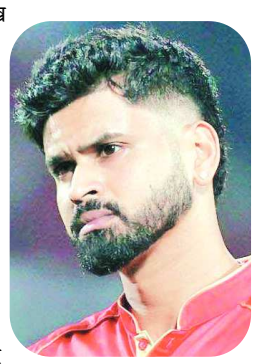

अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं टिया

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री टिया बाजपेयी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं। टिया बाजपेयी फ्रांस के मोनाको शहर में अपनी हॉलीवुड परियोजना की शूटिंग कर रही हैं। फिलहाल वह लोकेशन पर हैं और ओमिद रोमल के निर्देशन में शूटिंग कर रही हैं, जो उनके बढ़ते करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए जानी जाने वाली टिया इस नए अध्याय को पूरे उत्साह और दृढ़ता के साथ अपना रही हैं। यह फिल्म, जिसमें एक विविध अंतरराष्ट्रीय टीम शामिल है, उन्हें एक नए सिनेमाई अनुभव को एक्सप्लोर करने और वैश्विक दर्शकों से जुडने का अवसर दे रही है। मोनाको के खूबसूरत नज़ारों से लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन की अनुशासित कार्यशैली तक, टिया पूरी तरह इस अनुभव में डूबी हुई हैं। सेट पर, वह सिर्फ अपने प्रदर्शन के लिए ही नहीं बल्कि अपनी प्रोफेशनलिज़्म और अनुकूलन क्षमता के लिए भी ध्यान आकर्षित कर रही हैं। हॉलीवुड प्रोजेक्ट में कदम रखना अपने आप में चुनौतियों भरा होता है, लेकिन टिया इसे बेहद सहजता से संभालती नजर आ रही हैं और अपने विकास व उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखा रही हैं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए टिया ने कहा कि मोनाको में शूटिंग करना किसी सपने जैसा लगता है।

फिल्म 'आखिरी सवाल' ने जीता दिल! 'साइन लैंग्वेज' में भी रिलीज हुआ फिल्म का टीज़र!

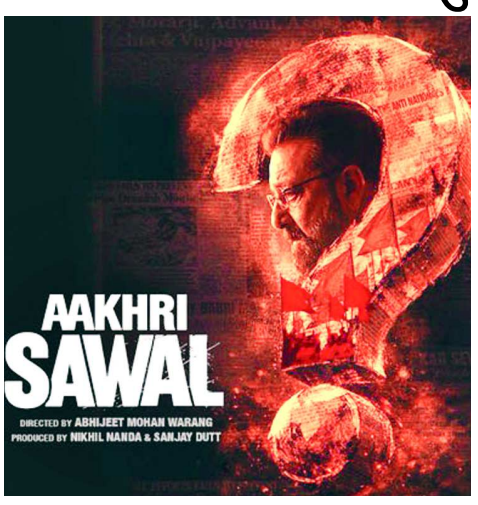

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'आखिरी सवाल' का फैंस को बहुत बेसब्री से इंतज़ार है। इसके अनाउंसमेंट के बाद से ही काफी चर्चा हो रही है। मेकर्स ने हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर फिल्म का टीज़र रिलीज किया था, जो हमें दुनिया के सबसे बड़े संगठन ऋस्र के इतिहास की उन परतों में ले जाता है जिन्हें पहले कभी पर्दे पर नहीं दिखाया गया। अब मेकर्स ने एक बहुत ही सराहनीय कदम उठाते हुए इस टीज़र को 'इंडियन साइन लैंग्वेज' (इशारों वाली भाषा) में भी रिलीज किया है। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि हर कोई, चाहे वो सुन सके या नहीं, इस फिल्म की कहानी से जुड़ सके। मेकर्स चाहते हैं कि यह टीज़र हर किसी तक पहुँचे और हर कोई इसे अपनी तरह से समझ और महसूस कर सके। इससे साफ़ पता चलता है कि मेकर्स की कोशिश है कि भारत के इतिहास का यह हिस्सा किसी से भी छूट न जाए।

उज्जैन संभाग

हर्षा रिछारिया ने लिया संन्यास, स्वामी हर्षानंद गिरि के नाम से जानी जाएंगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, कंटेंट क्रिएटर और मॉडल हर्षा रिछारिया ने रविवार को अक्षय तृतीया पर संन्यास ले लिया। उन्हें उज्जैन के मौनी तीर्थ आश्रम में पंचायती निरंजनी अखाड़ा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज ने संन्यास दीक्षा दी। संन्यास परंपरा के अनुसार, उन्हें शिखा और दंड त्याग की विधि कराई गई। साथ ही तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म भी कराए गए, जो पूर्व जीवन के त्याग और नए आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक माने जाते हैं।

धार्मिक अनुष्ठानों के बाद हर्षा रिछारिया ने संन्यास ग्रहण किया और उन्हें नया नाम स्वामी हर्षानंद गिरि दिया गया। इस मौके पर स्वामी हर्षानंद गिरि ने कहा कि यह उनके जीवन का नया अध्याय है। उन्होंने गुरुदेव के मार्गदर्शन में संन्यास का मार्ग अपनाया है और संकल्प लिया है कि वे अपना जीवन धर्म, संस्कृति और समाज की सेवा में समर्पित करेंगी और संन्यास की मर्यादा का पालन करेंगी।

महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज ने कहा- संन्यास दीक्षा एक गहन और अनुशासित प्रक्रिया है। इसमें व्यक्ति अपने पूर्व जीवन का त्याग कर आध्यात्मिक पथ पर चलता है। मेरा सभी संन्यासियों से यही आग्रह रहता है कि वे संन्यास की गरिमा को कभी कलंकित नहीं होने दें। एक संन्यासी के आचरण का प्रभाव पूरे समाज और संन्यास परंपरा पर पड़ता है, इसलिए विधि-विधान और मर्यादा का पालन अत्यंत आवश्यक है। रिछारिया का परिवार मूलत: था उत्तर प्रदेश के झांसी का रहने वाला है। उनके पिता दिनेश बस कंडक्टर और मां किरण रिछारिया बुटीक चलाती हैं। एक भाई कपिल है जो प्राइवेट जॉब करता है। पूरा परिवार भोपाल में रहता है। अध्यात्म से पहले स्टेज एंकर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रही हैं। इंस्टाग्राम और फेसबुक पर उनके अच्छे फॉलोअर्स हैं, सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार से जुड़े वीडियो बनाती हैं। ग्रेजुएट हैं और अहमदाबाद से योग स्पेशल कोर्स कर रखा है। हर्षा के इंस्टाग्राम पर 10 लाख फॉलोअर्स हैं। वह इंस्टाग्राम पर धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों से जुड़े कंटेंट साझा करती हैं। वह निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज की शिष्या हैं।

इंदौर-मुंबई सेंट्रल के बीच स्पेशल ट्रेन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • पश्चिम रेलवे ने मुंबई और इंदौर के बीच विशेष किराए पर सुपर फास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन 09085 मुंबई -इंदौर 20 अप्रैल से 29 मई तक मुंबई सेंट्रल से प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को 23.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे इंदौर पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम (8.45 बजे आगमन व 8.55 बजे प्रस्थान) और उज्जैन 10.50 बजे आगमन एवं 10.55 बजे प्रस्थान होगा।

लापरवाही पर गैंग प्रभारी बाली की सेवा समाप्त

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाकाल क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के कार्य में लापरवाही बरतने के चलते गैंग प्रभारी मनीष बाली की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी। उनकी जगह आशिक हुसैन को गैंग प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। महाकाल क्षेत्र में अतिक्रमण को हटाने के आदेश के बाद भी गैंग प्रभारी बाली द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही थी। अपर आयुक्त संतोष टैगोर ने बताया बाली का अपनी टीम पर नियंत्रण नहीं था।

उज्जैन में पारा 40 डिग्री, घोड़े-डॉग के लिए लगाए कूलर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • दिन का पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। भीषण गर्मी से आम आदमी बेहाल है। जानवर भी इससे परेशान हो रहे हैं। पुलिस लाइन में घोड़े और डॉग को गर्मी से बचाने के लिए पंखे और कूलर लगाए गए हैं। साथ ही उन्हें एयर कंडीशनर गाड़ियों में भेजा जा रहा है। गर्मी को देखते हुए इनकी डाइट में भी बदलाव किया गया है।

उज्जैन में दो दिन पहले तक न्यूनतम पारा 23 डिग्री था, लेकिन शुक्रवार रात चार डिग्री कम होकर तापमान 19 डिग्री पर पहुंच गया, जिससे रात में गर्मी ज्यादा परेशान नहीं कर रही है। हालांकि, दिन की गर्मी में लोगों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा है। तपती गर्मी में पुलिस लाइन के घोड़े और डॉग स्क्वाड की खास देखभाल की जा रही है।

14 घोड़े और 4 डॉग के लिए कूलर-पंखों का उपयोग

14 घोड़े और 4 डॉग के लिए देवास रोड स्थित पुलिस लाइन में कूलर, पंखे और स्प्रिंकलर का उपयोग किया जा रहा है। जिस जगह अश्व और डॉग रहते हैं, उसका खास ध्यान रखकर उनके सरफेस को ठंडा रखा जा रहा है। किसी भी घटना या महाकाल मंदिर व रेलवे स्टेशन की रोजाना होने वाली चेकिंग के लिए डॉग को सिर्फ एसी गाड़ियों में ही भेजा जा रहा है।

खान-पान में भी किया बदलाव, डॉग को मीट देना बंद

पुलिस के अश्व और डॉग की देखभाल के लिए 12 सदस्यीय टीम तैनात की गई है, जो सफाई, खाना, दवाइयों से लेकर मेडिकल चेकअप तक का पूरा ध्यान रख रही है। पुलिस लाइन उज्जैन के आरआई रंजीत सिंह ने बताया कि भीषण गर्मी में इनकी डाइट से लेकर ठंडी हवा और पानी तक का पूरा इंतजाम किया गया है। घोड़ों के लिए कूलर, ठंडे पानी के फव्वारे और पंखे लगाए गए हैं। उन्हें खाने में गुड़, छाछ, हरी घास और चापड़ा दिया जा रहा है। डॉग को मीट देना बंद कर दिया गया है। गर्मी में उन्हें सिर्फ दूध दिया जा रहा है और एसी गाड़ियों में सफर करवाया जा रहा है।

हाईटेक होगा सिंहस्थ मेला क्षेत्र:भीड़ प्रबंधन से लेकर सुरक्षा व्यवस्था में एआई का होगा उपयोग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ महापर्व 2028 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। विशेष पुलिस महानिदेशक उपेन्द्र जैन ने शनिवार को मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार मेले को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के जरिए हाईटेक बनाया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और निगरानी और अधिक मजबूत हो सके। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सड़कों, पुलों और घाटों के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, मजबूती और समयसीमा की समीक्षा की। जैन ने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य तय समय में और मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं। जैन ने मेला क्षेत्र में संवेदनशील और अति-संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां विशेष पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। आधुनिक ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों के साथ ढ्ढ तकनीक का उपयोग कर संदिग्ध गतिविधियों और व्यक्तियों की पहचान की जाएगी। भीड़ नियंत्रण, लापता लोगों की खोज, महिला सुरक्षा और अपराध रोकथाम के लिए विशेष रणनीति तैयार करने पर जोर दिया गया।

ट्रैफिक और भीड़ प्रबंधन की विशेष योजना

संभावित भारी भीड़ को देखते हुए विस्तृत ट्रैफिक प्लान तैयार किया जा रहा है। इसमें डायवर्जन रूट, पार्किंग व्यवस्था और आपातकालीन वाहनों के लिए अलग मार्ग शामिल होंगे। अधिकारियों ने प्रमुख मार्गों पर सुचारू यातायात बनाए रखने और श्रद्धालुओं को बेहतर मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए।

टेंट सिटी और आग से सुरक्षा पर जोर

अप्रैल-मई में आयोजित होने वाले मेले को देखते हुए टेंट सिटी और अस्थायी ढांचों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जैन ने आग से बचाव के लिए मजबूत इंतजाम करने, फायर ब्रिगेड को अलर्ट रखने और नियमित मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए।

आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान एम्बुलेंस, मेडिकल टीम और रेस्क्यू यूनिट की तैयारियों का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी व्यवस्था पहले से तैयार रखी जाए। इस दौरान ष्ठत्र राकेश गुप्ता, मेला अधिकारी आशीष सिंह, डीआईजी नवनीत भसीन, कलेक्टर रोशन सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध खनन मामले में अधिकारियों के दावे खोखले साबित हुए

मेंढकवास तालाब को इतना खोदा जमीन से निकाल दी मुरम

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

इंगोरिया से देपालपुर रोड निर्माण को लेकर हो रहा अवैध खनन अब अधिकारियों के लिए सर दर्द बन गया एमपीआरडीसी के अधीन एजेंसी जैनको इंटरप्राइजेज लगातार ठेकेदार के माध्यम से अवैध खनन का कार्य करवा रहे । तालाबों से निकाली गई मिट्टी का उपयोग रोड बनाने में किया गया। लेकिन शासन और प्रशासन के नियमों कि ठेकेदार खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे, तालाबों को इस कदर खोदा गया की जमीन से मुरम तक निकाल दी गई। इतना ही नहीं ठेकेदार ने गलत तरीके से तालाब खुदाई की है। नियम से लगभग 8 फीट ज्यादा खोदा गया जनपद सीईओ पूजा मालाकार ने एक आदेश जारी कर तालाब

सुधारने के निर्देश दिए थे लेकिन ठेकेदार ने तालाब सुधारने के नाम पर केवल लीपापोती की कुछ ही हिस्सों में मिट्टी डालकर मामले को रफा दफा करने में लगा है। ठेकेदार ने सबसे ज्यादा खराब स्थिति मेंढकवास के तालाब की है जहां 20 फीट से अधिक तालाब खोदा गया है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे किए गए हैं बड़ी मात्रा में मुरम भी निकाली गई है, लेकिन माइनिंग विभाग के जिम्मेदार अधिकारी आलोक अग्रवाल क्षेत्र से गायब है। फोन व उठाते नहीं देपालपुर क्षेत्र में जगह-जगह रोड के नाम पर मिट्टी का अवैध खनन हो रहा है। ठेकेदार से इनकी मिलीभगत तो नही अग्रवाल क्षेत्र के सबसे निष्क्रिय अधिकारी साबित हो रहे हैं जिनके संरक्षण में तालाबों का अस्तित्व खतरे में दिखाई दे रहा है।

देपालपुर जनपद सीईओ पूजा मालाकार के दावे खोखले साबित हुए हैं उन्होंने कहा था। मिट्टी खनन कहीं भी नियम के विरुद्ध नहीं होगा लेकिन ठेकेदार ने उनके आदेश और उनके नियमो को खूंटी पर टांग कर रख दिया। सीईओ का आदेश ठेकेदार के लिए एक कागज का टुकड़ा बनकर रह गया। आदेश का अमल होता तो अवैध उत्खनन अबतक बंद हो जाता । जैनको इंटरप्राइजेज के एक ठेकेदार ने अधिकारियों की हवा निकाल दी ना नियम ना कानून ना कायदे इससे स्पष्ट पता चलता है, कि ठेकेदार के आगे कानून का पाठ नहीं चल रहा ठेकेदार अपने रसूख के दम पर तालाबों को खोखला कर रहे। जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन भी अवैध खनन रोकने में नाकाम साबित हुए जिस प्रकार से देपालपुर क्षेत्र में अवैध खनन का कार्य चल रहा है कहीं ना कहीं प्रशासनिक अधिकारियों की कमजोरी को दर्शा रहा है लगातार अखबारों में अवैध खनन को लेकर खबरें प्रकाशित हो रही। लेकिन उसके बावजूद भी कार्यवाही नहीं होना अधिकारियों की नाकामी दिखा रहा है इस मामले में जिला पंचायत सीईओ से बात करना चाहि तो उन्होंने अपना फोन नहीं उठाया। देपालपुर तहसील मुख्यालय पर बैठे एसडीएम, जनपद सीईओ, माइनिंग विभाग के अधिकारी अवैध खनन रोकने में अपना पसीना बहा चुके हैं। लेकिन अवैध खनन नहीं रोक पाए अधिकारियों में आखिर किसका डर है। जो कार्यवाही को बार बार रोकने की कोशिश कर रहा। ग्रामवासियों को कलेक्टर शिवम वर्मा से कार्यवाही की उम्मीद है। अवैध खनन रोकने में ग्रामवासीयो की मदद कर सकते हैं सूत्र बताते हैं अवैध खनन मामले में कलेक्टर शिवम वर्मा को गांववाले शिकायत करने की तैयारी में है समय रहते माइनिंग विभाग और जनपद सीईओ नहीं जागे तो वीडियो फुटेज के साथ कलेक्टर को शिकायत करेंगे अब देखना होगा इंदौर कलेक्टर का डंडा चलेगा या फिर देपालपुर के तहसील मुख्यालय पर बैठे अधिकारी कार्यवाही करेंगे।

'ओम कोचिंग क्लासेस' का कमाल, रिकॉर्ड परिणाम से रचा इतिहास

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इस वर्ष हुई बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम सामान्य से कमज़ोर रहा, जिसका मुख्य कारण प्रश्न पत्रों का अपेक्षाकृत कठिन होना बताया जा रहा है। लेकिन इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी ओम कोचिंग क्लासेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक नई मिसाल कायम कर दी है। जहाँ अधिकांश संस्थानों के छात्र कठिन पेपर से जूझते नजर आए, वहीं ओम कोचिंग के विद्यार्थियों ने अपनी मजबूत तैयारी और गहरी समझ के दम पर सफलता का परचम लहराया। संस्था के अनुसार, इस वर्ष 10वीं और 12वीं (PCMB) मिलाकर 140 से अधिक छात्रों ने 80 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं। खास बात यह रही कि अकेले 12वीं के PCMB वर्ग में ही 80 से ज्यादा विद्यार्थियों ने 80% से अधिक स्कोर किया।

संस्था के संचालकों का कहना है कि इस सफलता के पीछे उनकी 'Concept-Clear' तकनीक का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनका मानना है कि जब प्रश्न पत्र कठिन हो, तब रटने की बजाय विषय की गहरी

समझ ही छात्रों को आगे बढ़ाती है। शिक्षा विशेषज्ञ भी इस परिणाम को उल्लेखनीय मान रहे हैं। उनका कहना है कि कठिन पेपर के बावजूद इतने बड़े स्तर पर उच्च अंक प्राप्त करना यह दर्शाता है कि सही मार्गदर्शन और मजबूत आधार छात्रों को किसी भी चुनौती से पार दिला सकता है। ओम कोचिंग क्लासेस का यह प्रदर्शन न केवल क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बना है, बल्कि अन्य संस्थानों के लिए भी एक प्रेरणा साबित हो रहा है कि बदलते परीक्षा पैटर्न में पारंपरिक तरीकों की बजाय कॉन्सेप्ट आधारित शिक्षा ही सफलता की कुंजी है।

अभिभावकों में खुशी, क्षेत्र में बना चर्चा का विषय-इस शानदार परिणाम के बाद अभिभावकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। कई अभिभावकों ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बताया। पूरे क्षेत्र में ओम कोचिंग क्लासेस का यह परिणाम चर्चा का विषय बना हुआ है।

भविष्य की तैयारी भी शुरू-संस्थान ने आगामी सत्र के लिए भी तैयारी शुरू कर दी है। नए बैच के लिए एडमिशन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जिसमें छात्रों को शुरुआत से ही कॉन्सेप्ट क्लियर करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

टॉपर्स ने भी बढ़ाया गौरव

संस्थान के कई छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। इन टॉपर्स ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, टेस्ट सीरीज और अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। छात्रों का कहना है कि कठिन प्रश्नों को हल करने में उन्हें कॉन्सेप्ट आधारित पढ़ाई का सीधा लाभ मिला।

व्यक्तिगत मार्गदर्शन बना सफलता का आधार

ओम कोचिंग क्लासेस में नियमित रूप से टेस्ट सीरीज, डाउट सॉल्विंग सेशन और व्यक्तिगत मार्गदर्शन की व्यवस्था की जाती है। प्रत्येक छात्र की कमजोरियों को पहचानकर उस पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे परीक्षा के समय छात्रों का आत्मविश्वास बना रहता है।

9 हजार सफाईकर्मियों के घर होंगे सोलर ऊर्जा से रोशन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। शहर के 9 हजार सफाईकर्मी परिवारों के घरों को अगले माह से सौर ऊर्जा प्रणाली से रोशन किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य इन परिवारों के बिजली बिलों में कमी लाकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

इस पहल के लिए इंदौर नगर निगम (आईएमसी) और यूनिटी ऑफ नेशनल एक्शन फॉर क्लाइमेट चेंज काउंसिल (यूएनएसीसी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह परियोजना 'सस्टेनेबल लिविंग सिटी प्रोग्राम' का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य इंदौर को भारत का पहला नेट-ज़ीरो और सोलर सिटी बनाना है। काउंसिल के पदाधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना से अगले 25 वर्षों में सभी 9 हजार परिवारों को सामूहिक रूप से लगभग 270 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। इस बचत का सीधा लाभ परिवारों को मिलेगा, जिससे उनकी आय का एक बड़ा हिस्सा अन्य आवश्यकताओं पर खर्च हो सकेगा। परियोजना के लिए घरों का सर्वेक्षण यूएनएसीसी द्वारा पहले ही पूरा कर लिया गया है, और सोलर सिस्टम लगाने का कार्य अगले माह से शुरू हो जाएगा। सिस्टम लगाने पर आने वाली लागत के लिए परिवारों को बैंकों से आसान ऋण सुविधा मिलेगी। उन्हें प्रति माह लगभग 500 रुपये की मासिक किस्त का भुगतान करना होगा। यह व्यवस्था सफाईकर्मियों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव डाले बिना उन्हें स्वच्छ ऊर्जा का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी।

कम लागत में सौर ऊर्जा प्रणाली

यूनिटी ऑफ नेशनल एक्शन फॉर क्लाइमेट चेंज काउंसिल के प्रबंध निदेशक अभिजीत खेमकर ने बताया कि प्रत्येक घर में दो से तीन किलोवाट क्षमता के सोलर सिस्टम लगाए जाएंगे। बाजार में इन प्रणालियों की लागत आमतौर पर दो से ढाई लाख रुपये तक आती है। हालांकि, इस विशेष परियोजना के तहत इन परिवारों को यह उन्नत प्रणाली मात्र 1.48 लाख रुपये में उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उनकी आर्थिक बोझ काफी कम होगा।

महिला कांग्रेस बनाएगी जिला प्रभारी जल्द होगी जिलाध्यक्षों की नियुक्ति

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मप्र महिला कांग्रेस ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश इकाई की पदाधिकारियों को अलग-अलग जिलों का प्रभार सौंपने का निर्णय लिया है।

महिला कांग्रेस ने तय किया है कि जिला प्रभारियों के लिए यह जरूरी होगा कि वे अपने प्रभार वाले जिले में हर महीने के 30 दिन में से 10 दिन का समय बिताएं। इन प्रभारियों द्वारा जिला अध्यक्ष पद के लिए तीन-तीन नामों का पैनल बनाकर अनुशंसा की जाएगी। पैनल में से जिला अध्यक्ष की नियक्ति की जाएगी। इसके साथ ही महिला कांग्रेस द्वारा विधानसभा क्षेत्र के महिला कांग्रेस अध्यक्ष भी नियुक्त किए जाएंगे। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी ने कहा कि पार्टी ने निर्णय लिया है कि

चुनावों में महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं को टिकट दिया जाएगा। अब महिलाओं के लिए रिजर्व सीट पर किसी नेता के परिवार की महिला को टिकट नहीं दिया जाएगा। पार्टी ने तय किया है कि किसी नेता के परिवार की महिला को भी चुनाव लड़ना है, तो उसे कांग्रेस में कार्य करना पड़ेगा। तभी उसे टिकट दिया जाएगा।

एमपीपीएससी वेबसाइट ठप, एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं होने से अभ्यर्थी परेशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • एमपीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट में आई तकनीकी खराबी ने राज्य सेवा और वन सेवा परीक्षा-2026 के अभ्यर्थियों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले दो दिनों से पोर्टल बंद होने के कारण हजारों उम्मीदवार अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं कर पा रहे हैं।

आयोग के अनुसार, सर्वर पर अचानक बढ़े लोड के चलते वेबसाइट डाउन हो गई है, जिसे ठीक करने के लिए आईटी टीम लगातार मेंटेनेंस में जुटी है। हालांकि अब तक पोर्टल पूरी तरह बहाल नहीं हो पाया है, जिससे अभ्यर्थियों को लगातार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस वर्ष राज्य सेवा परीक्षा के 155 पदों और वन सेवा परीक्षा के 36 पदों के लिए करीब 1 लाख 35 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। परीक्षा 26 अप्रैल को आयोजित की जानी है, जिसके लिए प्रदेश के 54 जिलों में 500 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। एडमिट कार्ड 16 अप्रैल से जारी किए जा रहे थे, लेकिन शुक्रवार रात से वेबसाइट बंद है। अभ्यर्थियों का कहना है कि कई बार कोशिश करने के बावजूद पोर्टल नहीं खुल रहा। कुछ उम्मीदवारों ने आयोग को ई-मेल के जरिए शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। विवेक जैन ने बताया कि परीक्षा में अब केवल कुछ दिन ही बचे हैं, लेकिन अभी तक प्रवेश पत्र डाउनलोड नहीं हो पाया है। परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। पहला पेपर सुबह 10 से 12 बजे तक सामान्य अध्ययन का होगा, जबकि दूसरा पेपर दोपहर 2:15 से 4:15 बजे तक सामान्य अभिरुचि (एप्टीट्यूड) का रहेगा। दोनों सत्रों में शामिल होना अनिवार्य होगा। परीक्षा केंद्रों पर तीन स्तरीय जांच की जाएगी। एमपीपीएससी के ओएसडी रवींद्र पंचभाई के अनुसार, सर्वर पर अधिक लोड के कारण यह समस्या आई है। आईटी टीम इसे ठीक करने में लगी हुई है।

डीएवीवी के छात्र अब डिग्री के बजाय प्रतिस्पर्धी कौशलों से होंगे लेस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का मुख्य उद्देश्य है कि शिक्षा को अधिक लचीला, बहुआयामी और भविष्य के अनुरूप बनाया जाए। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इसी दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा हैं। विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 से अपने सभी स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को शामिल करने का निर्णय लिया है। यह फैसला केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन नहीं, बल्कि शिक्षा के भविष्य को नए सिरे से गढने की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है। इस पहल के बाद छात्र अब केवल डिग्री हासिल करने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि वे ऐसे कौशलों से लैस होंगे, जो उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएंगे।

भविष्य की शिक्षा को लेकर झलक रही स्पष्ट दृष्टि : विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई की ओर से डीन व चेयरमैन, बोर्ड ऑफ स्टडीज के साथ आयोजित बैठक में इस परिवर्तन की रूपरेखा तय की उसमें भविष्य की शिक्षा को लेकर एक स्पष्ट दृष्टि झलक रही थी-एक ऐसी शिक्षा, जो अतीत की जड़ों से जुड़ी हो और भविष्य की संभावनाओं से लैस हो। कुलगुरु ने कहा आज का शैक्षिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। केवल पारंपरिक ज्ञान या केवल आधुनिक तकनीक, दोनों में से कोई एक अब पर्याप्त नहीं है। जरूरत है ऐसे मॉडल की, जिसमें भारत की समृद्ध परंपरागत ज्ञान प्रणाली और आधुनिक तकनीकी प्रगति का संतुलित समावेश हो। इसी सोच के साथ विश्वविद्यालय ने आईकेएस और एआई को एकीकृत गई। बैठक का माहौल औपचारिक जरूर था लेकिन करने का निर्णय लिया है।

सीबीआई ने 1.5 लाख की रिश्वत में रतलाम के सीजीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर को पकड़ा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • सीबीआई की रतलाम सेंट्रल जीएसटी विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर शंकर परमार को पांच लाख की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तारी की कार्रवाई विवादों में आ गई है। इस मामले में द सूत्र के पास मौजूद दस्तावेज और खुद परमार द्वारा कोर्ट में लगाए गए आरोप गंभीर हैं। यह पूरा मामला डेढ़ या पांच लाख की रिश्वत का नहीं है, बल्कि 10 लाख की रिश्वत मांगने का है। इसमें आरोप भी एक अधिकारी नहीं बल्कि विभाग के कुल चार अधिकारियों पर लगे थे। सीबीआई ने 31 मार्च को रतलाम में छापा मारकर मध्यस्थ सुरेश मनसुखानी को 1.5 लाख की रिश्वत लेते पकड़ा था। यह रिश्वत शिकायतकर्ता व जावरा (रतलाम) की फर्म मेसर्स मान एजेंसी के मालिक राजेश मनसुखानी से ली जा रही थी। इसमें फिर सीबीआई ने शंकर परमार, असिस्टेंट कमिश्नर सीजीएसटी को हिरासत में लिया था। आरोप है कि परमार ने पांच लाख की रिश्वत मांगी थी। साथ ही, मध्यस्थ सुरेश ने पहली किस्त में 1.5 लाख लिए थे। परमार अभी जेल में हैं।

रिश्वत मांगने में परमार के साथ ये 3 अधिकारी भी थे-अब पूरा किस्सा 11 नवंबर 2025 से शुरू होता है। राजेश मनसुखानी की जावरा स्थित फर्म पर सेंट्रल जीएसटी रतलाम से आर.एच. मीना, नीरज मीना व अन्य जांच के लिए गए थे। यहां बताया गया कि फर्म के खिलाफ शिकायत है। इसके बाद फर्म मालिक राजेश मनसुखानी सेंट्रल जीएसटी रतलाम विभाग जाते हैं। वहां विभागीय अधिकारी आर.एस. मीना, नीरज मीना, विनोद मीना और शंकर परमार मिलते हैं। शिकायत में है कि इन अधिकारियों द्वारा आगे कार्रवाई नहीं करने के लिए 10 लाख की रिश्वत मांगी गई थी। वहीं, चर्चा करने के बाद यह राशि घटाकर पांच लाख कर दी जाती है।

4 अधिकारियों ने मांगे थे 10 लाख

सीबीआई ने शिकायतों का फिर किया सत्यापन- इसके बाद फर्म मालिक राजेश भोपाल सीबीआई एसपी को शिकायत करते हैं। सीबीआई में दर्ज एफआईआर में इन चारों अधिकारियों (आर.एच. मीना, नीरज मीना, विनोद मीना और शंकर परमार) और 10 लाख की रिश्वत मांगने की बात लिखी हुई है। एसपी द्वारा इसकी जांच शुरू कराई जाती है साथ ही, शिकायत का सत्यापन 30 जनवरी, 24 मार्च, 25 मार्च और फिर 30 मार्च को किया जाता है। इसके बाद 31 मार्च को छापा मारकर मध्यस्थ सुरेश मनसुखानी को गिरफ्तार किया जाता है। फिर परमार को हिरासत में लिया जाता है।

शंकर परमार ने कोर्ट में सीबीआई पर लगाए आरोप-इस मामले में 31 मार्च को असिस्टेंट कमिश्नर शंकर परमार को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। वह 03 अप्रैल तक रिमांड में रहे और फिर उन्हें जेल भेज दिया गया था। जब परमार ने जमानत आवेदन लगाया तो इसमें उनके अधिवक्ता द्वारा सीबीआई कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए गए। परमार ने कहा कि जब सीबीआई ने उनकी जांच की तो उनके पास पर्स में केवल 3183 रुपए मिले। उनके पास रिश्वत की राशि नहीं मिली और न ही अन्य जगह जांच में कुछ मिला। इस मामले में सीबीआई ने मध्यस्थ सह-आरोपी सुरेश को गिरफ्तार नहीं किया और न ही पूछताछ की, जबकि 1.5 लाख रुपए उसके पास मिले थे। साथ ही शिकायत में तीन अन्य अधिकारियों के नाम थे, उनके खिलाफ भी सीबीआई ने कुछ नहीं किया और न ही आरोपी बनाया। केवल मुझे ही इस मामले में झूठा फंसाया गया और गिरफ्तार किया गया। आरोपी परमार के खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार निवारण एक्ट की धारा 7 व बीएनएस की धारा 61(2) में सीबीआई ने केस दर्ज किया है। इंदौर जिला कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद आरोपी परमार की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।